जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, रविवार 11 जनवरी, 2026


## पजेशन शुरू

## अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

| कोठी | वॉक-अप अपार्टमेंट |
|---|---|
| ₹4700/ Sq Ft से शुरू | ₹4000/ Sq Ft से शुरू |

KEDIA
## सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

### बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

### FIXED PRICE & RENTAL

| PRODUCT TYPE | UNIT TYPE | SIZE | FIXED PRICE | PROPOSED RENTAL |
|---|---|---|---|---|
| WALK-UP APARTMENT | 2 BHK (GF) | 1350 Sq Ft | 65 LACS | 22,000 |
| | 3 BHK (SF) | 1900 Sq Ft | 75 LACS | 25,000 |
| | 3 BHK (FF) | 1900 Sq Ft | 80 LACS | 28,000 |
| KOTHI | 3 BHK BIG | 2000 Sq Ft | 1.05 CRORE | 30,000 |
| | 4 BHK BIGGER | 2325 Sq Ft | 1.20 CRORE | 40,000 |
| | 4 BHK BIGGEST | 3200 Sq Ft | 1.50 CRORE | 50,000 |

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

## विचार बिन्दु

कोई अभिलाषा यहाँ अपूर्ण नहीं रहती। –कहावत

# आयुर्वेद के आहार संबंधी 31 महावाक्य

जब भूख लगती है तब सिद्धांत नहीं भोजन चाहिये। परन्तु यदि हम आयुर्वेद के कुछ महावाक्यों को याद रखकर, और उस ज्ञान का उपयोग करते हुये भोजन करें तो स्वास्थ्य उत्तम स्वास्थ्य बने रहने की संभावना बनी रहती है। आज की चर्चा आयुर्वेद के आहार-विषयक महावाक्यों पर केन्द्रित है। यह ज्ञान हमें बीमारी से बचाकर लाखों रुपये व्यर्थ होने से बचाने में सक्षम है। एक बात पूर्व में बताना आवश्यक है कि आयुर्वेद में ज्ञान की सीमायें अनंत हैं। मेरे ध्यान में केवल चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता और अष्टांगहृदय में ही भोजन से संबंधित लगभग 1000 महावाक्य हैं। उनमें से यह एक ऐसी प्रारंभिक चयनित सूची है, जिसके बिना हमारा काम ही नहीं चल सकता। आप इसमें अपने प्रिय सूत्र या प्रिय महावाक्य जोड़ते रहिये,उस ज्ञान का प्रयोग कीजिये, स्वस्थ रहिये और प्रसन्न रहिये।

1. आरोग्यं भोजनाधीनम् (काश्यपसंहिता, खि. 5.9): सबसे पहले तो हमें यह जान लेना चाहिये, जैसा कि महर्षि कश्यप कहते हैं, कि आरोग्य भोजन के अधीन होता है। सारा खेल भोजन का है। इस महावाक्य का अर्थ यह मानिये कि खाने को खानापूर्ति की तरह मत लीजिये।

2.एकाशन भोजनं सुखपरिणामकराणां श्रेष्ठम् (च.सू.25.40): तात्पर्य यह है कि 24 घंटे में केवल एक बार भोजन तत्समय में सुख देने में श्रेष्ठ है क्योंकि यह सुखपूर्वक पच जाता है।

3. कालभोजनमारोग्यकराणां श्रेष्ठम् (च.सू.25.40): नियत काल या समय पर भोजन करना श्रेष्ठ है।

4.अन्नंवृत्तिकराणां श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश): शरीर में दृढ़ता लाने वाले पदार्थों में अन्न सबसे श्रेष्ठ है।

5. सर्वरसाभ्यासोबलकराणाम्श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश) सभी रसों से युक्त भोजन (मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, कषाय) बल करने वालों में श्रेष्ठ है।

6. आमलकंवयः स्थापनानां श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश):वयःस्थापनया आयु-स्थिर करने वालों में आँवला श्रेष्ठ है।

7. नाप्रक्षालितपाणिपादवदनो (च.सू.8.20): महर्षि चरक ने कम से कम पांच हजार साल पहले यह महत्वपूर्ण सूत्र दिया था। आचार्य वाग्भट ने भी इसे सातवीं-आठवीं शताब्दी में धौतपादकराननः (अ.हृ.सू. 8.35-38) के रूप में पुनः लिखा। इसका साधारण अर्थ यह है कि भोजन करने के पूर्व हाथ, पाँव व मुंह धोना आवश्यक है। इसके वैज्ञानिक महत्त्व पर बड़ी शोध हुई है। उनमें से एक बात यह है कि लन्दन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के वैज्ञानिकों द्वारा की गयी एक शोध से पता लगा है कि हाथ धोये बिना भोजन लेने की आदत के कारण अनेक बीमारियाँ संक्रमित करती हैं। हाथ धोये बिना खाना खाने की आदत के कारण अकेले डायरिया से ही सालाना 23.25 अरब डॉलर की हानि भारत को हो रही है। यह हानि भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल जीडीपी का 1.2 प्रतिशत है। हाथ धोने में लगने वाले कुल खर्च को समायोजित करने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था को सालाना 5.64 अरब डॉलर की बचत हो सकती है। यह हाथ धोने में संभावित लागत का 92 गुना है। आयुर्वेद में भोजन के सम्बन्ध में अनेक महावाक्य हैं जिनका पालन कर परिवार, समाज और देश का बहुत धन बचाया जा सकता है।

8. नाशुद्धमुखो (च.सू.8.20): अशुद्ध मुंह से अर्थात मुंह की शुद्धता सुनिश्चित किये बिना भोजन नहीं लेना चाहिये। साफ़-सफाई के पश्चात ही भोजन का आनंद लेना उपयुक्त रहता है।

9. न कुत्सयन्नकुत्सितं न प्रतिकूलोपहितमन्नमाददीत (च.सू.8.20): दूषित अन्न या भोजन या दुश्मन या विरोधियों द्वारा दिया गया भोजन नहीं खाना चाहिये।

10. न नक्तं दधि भुञ्जीत (च.सू.8.20): रात में दही नहीं खाना चाहिये। असल में दही यदि ताज़ा न हो तो उसके लाभदायक गुण नष्ट हो जाते हैं। इसीलिये यह महावाक्य बहुत उपयोगी है।

11. पूर्वंमधुरमश्नीयान् (सु.सू.46.460): भोजन में सबसे पहले मधुर या मीठे पदार्थ खाना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि भोजन पूरा करने के बाद मिठाई या आइसक्रीम में हाथ मारना नुकसानदायक है। भोजन का अंत सदैव कटु, तिक्त या कषाय रस से करना चाहिये।

12. आदौफलानिभुञ्जीत (सु.सू.46.461): फल भोजन के प्रारंभ में खाना चाहिये। भोजन के अंत में फल खाने की परंपरा अनुचित है।

13. पिष्टान्नंनैवभुञ्जीत (सु.सू.46.494): पीठी वाले भोजन प्रायः नहीं लेना चाहिये। अगर बहुत भूखे हैं तो कम मात्रा में पिष्टान्न लेकर उससे दुगनी मात्रा में पानी पीना चाहिये।

14. भुक्त्वाऽपियत्प्रार्थयतेभूयस्तत् स्वादु भोजनम्(सु.सू.46.482): जिस भोजन को खाने के बाद पुनः माँगा जाये, समझिये वह स्वादिष्ट है।

15. उष्णमश्नीयात् (च.वि.1.24.1): उष्ण आहार करना चाहिये। परन्तु ध्यान रखिये कि बहुत गर्म भोजन से मद, दाह, प्यास, बल-हानि, चक्कर आना व पित्त-विकार उत्पन्न होते हैं।

16.स्निग्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.2): स्निग्ध भोजन करना चाहिये। परन्तु घी में डूबे हुये तर माल के रूप में नहीं। रूखा-सूखा भोजन बल, वर्ण, आदि का नाश करता है परन्तु बहुत स्निग्ध भोजन कफ, लार, दिल में बोझ, आलस्य व अरुचि उत्पन्न करता है।

**उम्र-आधारित रोग-जनन (ऐज-रिलेटेडपैथोजेनेसिस) का मुख्य कारण भोजन के संबंध में आयुर्वेद की सलाह को न मानना भी है। यदि भोजन, शरीर, मन, वपर्यावरण के अंतर्संबंध को समझ लें तो स्वस्थ रहना संभव है। तनाव-जनित अपक्षयी तथा गैरसंचारी रोग जैसे कैंसर, मधुमेह, उच्च-रक्तचाप आदि की समस्या से जूझ रहे विश्व का कल्याण आयुर्वेद में दिये गये परामर्श और उनके प्रयोग पर निर्भर है।**

17. मात्रावदश्नीयात् (च.वि.1.24.3): मात्रापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन आवश्यकता से कम या अधिक नहीं करना चाहिये।

18. जीर्णेऽश्नीयात् (च.वि.1.24.4): पूर्व में ग्रहण किये भोजन के जीर्ण होने या पच जाने के बाद ही भोजन करना चाहिये।

19. वीर्याविरुद्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.5): वीर्य के अनुकूल भोजन करना चाहिये। अर्थात् विरुद्ध वीर्य वाले खाद्य-पदार्थों, जैसे दूध और खट्टा अचार आदि को मिलाकर नहीं खाना चाहिये।

20. इष्टेदेशेइष्टसर्वोपकरणं चाश्नीयात् (च.वि.1.24.6): मन के अनुकूल स्थान और सामग्री के साथ भोजन करना चाहिये। अभीष्ट सामग्री के साथ भोजन करने से मन अच्छा रहता है।

21. नातिद्रुतमश्नीयात् (च.वि.1.24.7): बहुत तेज गति या जल्दबाज़ी में भोजन नहीं करना चाहिये।

22. नातिविलम्बितमश्नीयात् (च.वि.1.24.8): अत्यंत विलम्बपूर्वक भोजन नहीं करना चाहिये।

23. अजल्पन्नहसन्तन्मनाभुञ्जीत (च.वि.1.24.9): बिना बोले बिना हँसे तन्मयतापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन और तन्मयता का संबंध इतना प्रगाढ़ है कि भोजन के संबंध में आयुर्वेद में दी गई सम्पूर्ण सलाह निरर्थक जा सकती है, यदि भोजन तन्मयता के साथ न किया जाये।

24. आत्मानमभिसमीक्ष्यभुञ्जीत (च.वि.1.25): पूर्ण रूप से स्वयं की समीक्षा कर भोजन करना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि शरीर के लिये हितकारी और अहितकारी, सुखकर और दुःखकर द्रव्यों का शरीर के परिप्रेक्ष्य में गुण-धर्म का ध्यान रखते हुये यहाँ दिये गये महावाक्यों के अनुरूप ही भोजन करने का लाभ है।

25. अशितश्चोदकंयुक्त्याभुञ्जानश्चान्तरापिबेत् (सु.सू.46.482): भोजन के पश्चात युक्तिपूर्वक पानी की मात्रा लेना चाहिये। तात्पर्य यह है कि खाने के बाद गटागट लोटा भर जल नहीं चढ़ा लेना चाहिये।

26. हिताहितोपसंयुक्तमन्नंसमशनंस्मृतम्। बहु स्तोकमकालेवातज्ज्ञेयंविषमाशनम्।। अजीर्णेभुज्यतेयत्तुतदध्यशनमुच्यते। त्रयमेतन्निहन्त्याशुबहून्व्याधीन्करोतिवा।। (सु.सू.46.494): हितकर और अहितकर भोजन को मिलाकर खाना (समशन), कभी अधिक कभी कम या कभी समय पर कभी असमय खाना (विषमाशन) या पहले खाये हुये भोजन के बिना पचे ही पुनः खाना (अध्यशन) शीघ्र ही अनेक बीमारियों को जन्म दे देते हैं। आज की स्थिति में बढ़ रही जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों का यही कारण है।

27. प्राग्भुक्तेत्वविविक्तेऽग्नौद्विरन्नं न समाचरेत्। पूर्वभुक्तेविदग्धेऽन्नेभुञ्जानोहन्तिपावकम्। (सु.सू.46.492-493): सुबह खाने के बाद जब तक तेज भूख न लगे तब तक दुबारा अन्न नहीं खाना चाहिये। पहले का खाया हुआ अन्न विदग्ध हो जाता है और ऐसी दशा में फिर खाने वाला इंसान अपनी पाचकाग्नि को नष्ट कर लेता है।

28. भुक्त्वाराजवदासीतयावदन्नक्लमोगतः। ततःपादशतंगत्वावामपार्श्वेनसंविशेत्।। (सु.सू.46.487): भोजन के बाद राजा की तरह सीधा तनकर बैठना चाहिये ताकि भोजन का क्लम हो जाये। फिर सौ कदम चल कर बायें करवट लेट जाना चाहिये।

29. नसक्तूनेकानश्नीयान्निनशि न भुक्त्वा न बहून्निद्विर्नोदकान्तरितान्न छित्त्वाद्विजैर्भक्षयेत् (च.सू.8.20): सत्तू-भुने हुये अनाज का आटा-घी और चीनी के मिश्रण के बिना नहीं खाना चाहिये। सत्तू को रात में,भोजन के बाद, अधिक मात्रा में, दिन में दो बार, या पानी पी-पीकर ठांस कर, या दांतों को किटकिटाते हुये भी नहीं खाना चाहिये।

30. आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजः समुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः। (सु.चि., 24.68): स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमारी को रोकने में भोजन का स्थान रसायन और औषधि से कम नहीं है। इस सूत्र का अर्थ यह है कि आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है। सन्देश यह है कि साफ़-सुथरा, प्राकृतिक और पौष्टिक भोजन शरीर, मन और आत्मा की प्रसन्नता और स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है।

31. हिताशीस्यान्मिताशीस्यात्कालभोजीजितेन्द्रियः। पश्यन्रोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात्।। (च.नि.6.11): विषम भोजन से उत्पन्न तमाम अति-कष्टकारी रोगों को देखते हुये बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर काबू पाकर हिताशी, मिताशी और कालभोजी होना चाहिये। तात्पर्य यह है कि हितकर द्रव्यों का आहार करने वाला, अपनी पाचन-शक्ति को देखते हुये मिताहार या नपा-तुला भोजन करने वाला और समय पर भोजन करने वाला होना चाहिये।

स्वस्थ रहने के लिये खाद्य-पदार्थों के चयन एवं भोजन के संबंध में आयुर्वेद के इन महावाक्यों की भूमिका को स्वीकार करना और व्यवहार में लाना आवश्यक है। भोजन की खामी से होने वाली एसिडिटी या पेट की जलन के लिये ओमेज़, ओम्प्रजोल या प्रिलोसेक या ऐसी तमाम प्रोटोनपंपइन्हिबिटर्स का दीर्घकालिक प्रयोग बहुत हानिकारक है। प्रोटॉनपंप अवरोधक दवा उनमें से हैं जिनका लंबी अवधि के उपचार के लिए उपयोग विशेष रूप से बढ़ रहा है। अक्सर इनके निर्धारित मात्रा से ज्यादा और अनुचित उपयोग से भारी प्रतिकूल प्रभावों का पता चला है। इनमें संक्रमण का खतरा बढ़ना, विटामिन और खनिजों के आंतों में अवशोषण को कम करना, गुर्दे की क्षति और मनोभ्रंश या डेमेंशिया शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ अध्ययनों में बृहदान्त्र कैंसर, गैस्ट्रिक कैंसर, हृदय जोखिम, विटामिन बी 12 की कमी, हाइपोमैग्नेसीमिया, हाइपोनैट्रीमिया और फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ने का खतरा बताया गया है।

उम्र-आधारित रोग-जनन (ऐज-रिलेटेडपैथोजेनेसिस) का मुख्य कारण भोजन के संबंध में आयुर्वेद की सलाह को न मानना भी है। यदि भोजन, शरीर, मन, वपर्यावरण के अंतर्संबंध को समझ लें तो स्वस्थ रहना संभव है। तनाव-जनित अपक्षयी तथा गैरसंचारी रोग जैसे कैंसर, मधुमेह, उच्च-रक्तचाप आदि की समस्या से जूझ रहे विश्व का कल्याण आयुर्वेद में दिये गये परामर्श और उनके प्रयोग पर निर्भर है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,**
**( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर )**
**( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )**

# राजस्थान का भविष्य रचते हुए सुशासन से सशक्त विकास की ओर कदम

## विश्वास की पुनर्स्थापना से विज़न 2047 तक की ठोस यात्रा

मदन राठौड़

राजस्थान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल सत्ता परिवर्तन या योजनाओं की घोषणा का समय नहीं, बल्कि शासन की दिशा, प्रशासनिक संस्कृति और विकास की प्राथमिकताओं में आए गहरे बदलाव का कालखंड है। बीते दो वर्षों को यदि सतही रूप में देखा जाए तो यह सामान्य प्रशासनिक अवधि लग सकती है, लेकिन वस्तुतः टूटे विश्वास की पुनर्स्थापना, स्थिर शासन की स्थापना और दीर्घकालिक विकास की नींव रखने के रहे हैं। यही वह आधार है, जिस पर आने वाले दशकों का राजस्थान आकार लेगा।

जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला, तब सबसे बड़ी चुनौती योजनाओं या संसाधनों की नहीं, बल्कि जन विश्वास की थी। भर्ती परीक्षाओं में बार-बार हुए पेपर लीक, प्रशासनिक शिथिलता और निर्णयों में अनिश्चितता ने विशेषकर युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर दी थी। मेहनत और योग्यता पर भरोसा कमजोर हो गया था। सरकार ने इस स्थिति को केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय के रूप में पहचाना और इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया। यहीं से सुशासन की वास्तविक शुरुआत हुई।

भर्ती घोटालों की गहन जांच के लिए विशेष जांच दलों का गठन, 139 एफआईआर और लगभग 400 गिरफ्तारियां केवल कानूनी कार्रवाई नहीं थीं, बल्कि यह स्पष्ट संदेश था कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ अब किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। केवल उप-निरीक्षक भर्ती घोटाले में 132 गिरफ्तारियां इस बदले हुए शासन दृष्टिकोण का प्रतीक हैं। इसके समानांतर परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत किया गया। बायोमेट्रिक सत्यापन, सख्त परीक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी निगरानी लागू की गई।परिणामस्वरूप 296 परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित हुईं। आज सरकार 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है और युवाओं में यह भरोसा लौट रहा है कि चयन का एकमात्र आधार योग्यता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी यही विश्वास है।

सरकार ने रोजगार के प्रश्न को भी व्यापक दृष्टि से देखा। यह स्वीकार किया गया कि केवल सरकारी नौकरियां ही समाधान नहीं हो सकतीं। बीते दो वर्षों में सात रोजगार मेलों के माध्यम से 90 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गईं और 20 हजार नियुक्तियां शीघ्र दी जा रही हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत चार लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार ऋण उपलब्ध कराया गया, तीन लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिला और 'राइजिंग राजस्थान' पहल के माध्यम से निजी क्षेत्र में 2.5 लाख से अधिक रोजगार सृजन की दिशा बनी। ये आंकड़े उन लाखों परिवारों की कहानियां हैं, जिनके घरों में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास लौटा है।

आर्थिक विकास के मोर्चे पर सरकार ने व्यावहारिक और दूरदर्शी नीति अपनाई। 'राइजिंग राजस्थान' के तहत 35 लाख करोड़ के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 8 लाख करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। यह स्पष्ट करता है कि निवेश केवल कागजों तक सीमित नहीं है। सरकार का फोकस निवेश को वास्तविक उत्पादन, बुनियादी ढांचे और रोजगार में बदलने पर रहा है, ताकि इसका लाभ प्रदेश के हर वर्ग तक पहुंचे। नीति स्थिरता और त्वरित स्वीकृतियों ने राजस्थान को निवेशकों के लिए भरोसेमंद गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

बुनियादी ढांचा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ होता है। राजस्थान में लंबे समय से जल, ऊर्जा और कनेक्टिविटी की सीमाएं विकास में बाधा रही हैं। जल संकट इस चुनौती का सबसे जटिल पहलू रहा है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के पास देश की 12.85 प्रतिशत कृषि भूमि है, लेकिन सतही जल केवल 1.16 प्रतिशत और भूजल 1.72 प्रतिशत ही उपलब्ध है। इसके बावजूद अक्टूबर 2025 तक 40.04 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षमता विकसित की गई।

राम जल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों को पेयजल और 4.03 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिलेगा, जिसके लिए 26 हजार करोड़ के कार्यादेश जारी किए गए हैं। परवन परियोजना से 2 लाख हेक्टेयर सिंचाई और 1,402 गांवों को पेयजल मिलेगा, जबकि आईजीएनपी पुनर्संरचना के तहत 2,676 किलोमीटर नहरों का जीर्णोद्धार कर सेम समस्या लगभग समाप्त कर दी गई है। ये निर्णय दशकों पुराने जल संकट के संरचनात्मक समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखा गया है। नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, को विकास की रीढ़ बनाया गया है। इससे पर्यावरणीय संतुलन मजबूत हुआ है और औद्योगिक निवेश तथा रोजगार सृजन को नई गति मिली है। यह मॉडल दर्शाता है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा सुशासन की आधारशिला हैं। सरकार के प्रयासों से कुल अपराधों में 12 प्रतिशत, हत्या के मामलों में 18 प्रतिशत और डकैती-लूट में लगभग 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। महिला अपराधों में 11 प्रतिशत और एससी/एसटी अत्याचारों में 21 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि तकनीक आधारित पुलिसिंग, तेज़ प्रतिक्रिया और त्वरित न्याय व्यवस्था प्रभावी हो रही है।

शिक्षा और स्वास्थ्य को सरकार ने केवल कल्याणकारी योजनाओं के रूप में नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश के रूप में देखा है। लक्ष्य यह है कि सरकारी स्कूल और अस्पताल आमजन की पहली पसंद बनें। इसके लिए बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सेवा गुणवत्ता- तीनों स्तरों पर सुधार किया जा रहा है। यह दृष्टि दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की आधारशिला है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की नीति शून्य सहनशीलता की रही है। ई-गवर्नेंस, डीबीटी और समयबद्ध सेवाओं के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को संस्थागत रूप दिया गया है।सुशासन को किसी अभियान की तरह नहीं, बल्कि दैनिक प्रशासनिक अनुशासन के रूप में अपनाया गया है।

सांस्कृतिक और पर्यटन विकास के क्षेत्र में भी सरकार ने संरक्षण को रोजगार से जोड़ने की दृष्टि अपनाई है। शेखावाटी क्षेत्र में चिन्हित 662 ऐतिहासिक हवेलियों को हेरिटेज वॉक, होमस्टे, संग्रहालय और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। सात पैनोरमा परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान देंगी और स्थानीय युवाओं के लिए स्थाई रोजगार सृजित करेंगी।

केंद्र-राज्य समन्वय को सरकार ने सहकारी संघवाद के रूप में आगे बढ़ाया है। यमुना जल समझौते सहित अंतरराज्यीय जल समझौतों ने दशकों पुराने विवादों का समाधान किया है और विकास के नए द्वार खोले हैं। यह समन्वय आने वाले वर्षों में और ठोस परिणाम देगा।

अंततः यह पूरा परिदृश्य विज़न 2047 की ओर संकेत करता है, एक ऐसा राजस्थान जो जल और ऊर्जा में आत्मनिर्भर हो, जहां किसान सहायता नहीं बल्कि समृद्धि का आधार पाएं, युवाओं का भरोसा मजबूत हो, निवेश सुरक्षित और स्थाई हो तथा विकास तेज़ होने के साथ-साथ टिकाऊ, समावेशी और न्यायपूर्ण भी हो।

सुशासन कोई नारा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास है। बीते दो वर्ष दिशा तय करने के रहे हैं। आने वाले वर्ष इस दिशा में गति बनाए रखने और राजस्थान को भविष्य के लिए तैयार राज्य के रूप में स्थापित करने के होंगे। यही वह मार्ग है, जिस पर चलकर राजस्थान न केवल अपना उज्ज्वल भविष्य गढ़ेगा, बल्कि विकसित भारत की यात्रा में एक प्रेरक अध्याय भी जोड़ेगा।

**–मदन राठौड़,**
**सदस्य, राज्यसभा**

# सरिस्का सीटीएच के नए ड्राफ्ट पर अलवर के धीरोड़ा के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई

## ग्रामसभा में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने ड्राफ्ट के खिलाफ विरोध जताया

**अलवर,** (निसं)। राजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम धीरोड़ा में सरिस्का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के प्रस्तावित नए ड्राफ्ट को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। इसी को लेकर ग्राम पंचायत सभागार में आयोजित ग्रामसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि एकत्र हुए और ड्राफ्ट के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

**ग्रामीणों ने गोला का बास-धीरोड़ा से सीटीएच हटाओ जैसे नारे लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया।**

ग्रामसभा में रामदयाल गुर्जर ने आरोप लगाते हुए कहा कि नए प्रस्तावित ड्राफ्ट में मल्लाना, तिलवाड़ी, खोह दरीबा और बलदेवगढ़ जैसे मार्बल खनन क्षेत्रों को शामिल नहीं किया गया है, जबकि गोला का बास के राजस्व ग्राम भानगढ़ और ग्राम पंचायत धीरोड़ा क्षेत्र को सीटीएच में शामिल कर लिया गया है, जो पूरी तरह अनुचित है। राजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम धीरोड़ा में सरिस्का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के प्रस्तावित नए ड्राफ्ट को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

उन्होंने बताया कि गोला का बास, धीरोड़ा और पावटा ग्राम पंचायतों की ग्राम सभाओं में सर्वसम्मति से सीटीएच में शामिल न किए जाने को लेकर मौखिक और लिखित आपत्तियां दर्ज करवाई गई है। ग्रामीण रमेश ने बताया कि राजस्व ग्राम भानगढ़ ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां विश्व प्रसिद्ध भानगढ़ का किला स्थित है, जिसे देश-विदेश से पर्यटक देखने आते हैं। साथ ही सरसा देवी मंदिर, नारायणी धाम सहित कई धार्मिक स्थल हैं, जहां दौसा, जयपुर सहित आसपास के जिलों से श्रद्धालु नियमित रूप से दर्शन, सवामणी, जात-जड़ूले और पदयात्राओं के लिए आते रहते हैं। ऐसे में यहां मानवीय गतिविधियां लगातार बनी रहती हैं, जो बाघ विचरण के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

**■ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब 28 किलोमीटर दूर ऐसे क्षेत्र को सीटीएच में शामिल किया गया है, जहां कृषि भूमि, आबादी और धार्मिक-पर्यटन गतिविधियां अधिक है**

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बाघ परियोजना से सटे घने और सघन वन क्षेत्रों को नजरअंदाज कर करीब 28 किलोमीटर दूर ऐसे क्षेत्र को सीटीएच में शामिल किया गया है, जहां कृषि भूमि, आबादी और धार्मिक-पर्यटन गतिविधियां अधिक हैं। ग्रामसभा में ग्रामीणों ने ग्राम विकास अधिकारी को व्यक्तिगत खातेदारी कृषि भूमि और सामूहिक भूमि से संबंधित आपत्ति पत्र भी सौंपे। इस दौरान ग्रामीणों ने गोला का बास-धीरोड़ा से सीटीएच हटाओ जैसे नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने वन विभाग, जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि सीटीएच के नए प्रस्तावित ड्राफ्ट पर पुनर्विचार किया जाए और बाघ विचरण के लिए वास्तविक रूप से उपयुक्त, निर्जन और सघन वन क्षेत्र का पुनः निर्धारण किया जाए। ग्रामीणों ने सीटीएच से पशुधन, कृषि व्यवसाय, आवाजाही के रास्तों और वन क्षेत्र के पास बसी ढाणियों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी आपत्तियां दर्ज करवाई।

# ऊँट उत्सव में योजनाओं से जुड़ा साहित्य वितरित

**बीकानेर,** (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दूसरे दिन शनिवार को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य का वितरण किया गया।

विभाग के उप निदेशक हरि शंकर आचार्य ने बताया कि विभाग की स्टाल में लगातार दूसरे दिन साहित्य वितरित किया गया। इस दौरान स्थानीय और विभिन्न स्थानों से आए पर्यटकों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। जनसंपर्क अधिकारी सुरेश बिश्नोई के नेतृत्व में युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया गया। इस दौरान अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह और कनिष्ठ सहायक हेमराज मौजूद रहे।

जिला प्रशासन तथा पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहे ऊँट उत्सव 2026 के दूसरे दिन भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एन.आर.सी.सी.) के कैमल स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में आयोजित कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय कल्याणार्थ उन्नत तकनीकी प्रदर्शनी में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की स्टॉल तृतीय स्थान पर रही।

## राशिफल रविवार 11 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र सायं 6:12 तक, सुकर्मा योग सायं 5:27 तक, कौलव करण दिन 10:21 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** चर 8:40 से 9:58 तक, लाभ-अमृत 9:58 से 12:34 तक, शुभ 1:53 से 3:11 तक।

**राहूकालः** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

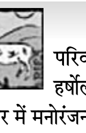

**मेष**

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

**वृष**

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

**कर्क**

घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

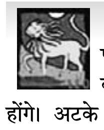

**सिंह**

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**कन्या**

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**तुला**

महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों और परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

**वृश्चिक**

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

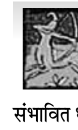

**धनु**

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**मकर**

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**कुंभ**

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

**मीन**

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 275 प्रभात जालोर, रविवार 11 जनवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# ‘ईडी कार्यवाही आदि, बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए की जा रही है’

## ममता बनर्जी का खेमा आक्रामक मुद्रा में यह भी कह रहा है कि केन्द्रीय सरकार का यह प्लान हम सफल नहीं होने देंगे

**-रेणु मित्तल-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 10 जनवरी। पश्चिम बंगाल का सियासी पारा उफान पर है। ममता बनर्जी ने भाजपा को चुनौती दी है कि वह उन्हें अस्थिर करके दिखाए। वह भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में हैं और हर मोर्चे पर हमला करने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली में इस बात को लेकर अटकलें तेज़ हैं कि भाजपा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की ज़मीन कैसे तैयार कर रही है। ईडी द्वारा आई-पैक के दफ्तर पर छापे के बाद वहां से फाइलें और डेटा उठाने को लेकर भाजपा ममता बनर्जी पर हमला कर रही है।

ममता बनर्जी खुद आई-पैक के दफ्तर पहुंचीं और फाइलें उठा ले गईं। उनका कहना है कि ये फाइलें उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़े चुनावी डेटा और चुनावी जानकारियों से संबंधित हैं, जिन पर अमित शाह की नज़र है।

- **ऐसा लग रहा है, ममता बनर्जी व केन्द्रीय सरकार के बीच ''युद्ध'' तब तक चलेगा, जब तक बंगाल चुनाव का अंतिम वोट नहीं पड़ जाता।**
- **ममता बनर्जी के लोग अपने इस तर्क को आगे ले जाते हुए, यह दावा भी कर रहे हैं कि भाजपा (केन्द्रीय सरकार) के द्वारा राष्ट्रपति शासन लगाने के बाद ममता बनर्जी के वफादार कार्यकर्ता व नेता तथा प्रशासन असक्षम हो जाएंगे, चुनाव में भूमिका निभाने की दृष्टि से तथा भाजपा अपने मन मुताबिक चुनाव का संचालन कर सकेगी और यह ममता बनर्जी के समर्थक, कदापि नहीं होने देंगे।**

ईडी ने इस पर सफाई दी है कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले से जुड़ी है, न कि किसी राजनीतिक पार्टी से।

ममता, जिनका लड़ने का जज़्बा फिर से जाग उठा है, सड़कों पर उतर आई हैं और अपने समर्थकों के साथ मार्च कर रही हैं। वह यह संदेश दे रही हैं कि भाजपा जो भी करेगी, वह उससे लड़ने के लिए तैयार हैं और डरने वाली नहीं हैं।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा राष्ट्रपति शासन लगाने का विकल्प तलाश रही है, ताकि ममता के वफादारों और उनकी प्रशासनिक मशीनरी के सहयोग के बिना चुनाव कराए जा सकें और केंद्र की भाजपा सरकार को चुनाव संभालने और उन्हें प्रभावित करने की पूरी छूट मिल सके।

यह लड़ाई आखिरी वोट पड़ने तक चलती रहेगी, जहां भाजपा ममता बनर्जी को अस्थिर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी और ममता भी उतनी ही दृढ़ता से पश्चिम बंगाल से भाजपा को बाहर करने के लिए डटी रहेंगी।

# एसआई भर्ती में आयु सीमा की छूट पर हाई कोर्ट 31 मार्च तक निर्णय लेगा

जयपुर, 10 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 में शामिल हुए अभ्यर्थियों को साल 2025 की एसआई भर्ती में आयु सीमा में छूट से जुड़े मामले में दायर एसएलपी को निस्तारित कर दिया है। अदालत ने कहा है कि 2021 की भर्ती को रद्द करने वाले एकलपीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की खंडपीठ पहले से ही सुनवाई कर रही है। ऐसे में आयु सीमा में छूट से जुड़े मुद्दे पर हाईकोर्ट की खंडपीठ 31 मार्च से पहले फैसला करे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर एसएलपी का निस्तारण किया।**

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चन्द्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश सूरज मल मीणा की ओर से दायर एसएलपी का निस्तारण करते हुए दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एसआई 2021 भर्ती को रद्द करने के संबंध में निर्णय हो जाता है तो आयु सीमा का विवाद स्वतः ही समाप्त हो जाएगा, लेकिन यदि भर्ती रद्द नहीं होती है तो हाईकोर्ट की खंडपीठ के निर्णय के आधार पर आयु सीमा में छूट का फैसला होगा।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ईडी सुप्रीम कोर्ट पहुँचा, ममता बनर्जी के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लेकर

## पर, आश्चर्य की बात यह है कि ईडी की गुहार में ममता जी को गिरफ्तार करने के लिए मांग नहीं की गई, बल्कि यह मांग की गई है कि ईडी को उसका काम करने दिया जाए, उसमें बाधाएं नहीं होने दें

**- अंजन रॉय -**
**- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -**

नई दिल्ली, 10 जनवरी। अपनी कार्यवाही में लगातार बाधा डाले जाने और कलकत्ता उच्च न्यायालय से कोई राहत न मिलने से खिन्न एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला कई करोड़ रु. के कोयला घोटाले से जुड़ा है, जिसमें एक कंसल्टेंसी फर्म के कार्यालयों में तलाशी और दस्तावेजों की जब्ती की ईडी की कोशिश विफल कर दी गई थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को जो किया, ऐसा भारत में पहली बार हुआ है। वे कोलकाता में आई पैक नामक फर्म के मालिक के आवास और शहर में स्थित उसके मुख्यालय से कथित आपत्तिजनक सामग्री और सबूत अपने साथ ले गईं। यह पहली बार है जब किसी सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस के साथ आकर ईडी को उसके वैधानिक कर्तव्य का पालन करने से रोका।

- **ईडी ने (केन्द्रीय सरकार ने) इतना नरम रवैया क्यों अख्तियार किया। ममता बनर्जी ने सरकारी एजेंसी के काम में पुलिस की मदद से बाधा पहुंचायी और सबूत के कागज़ात का ''डेटा'' उठाकर ले गईं। यह अपने आप में गंभीर जुर्म है और अगर कोई साधारण व्यक्ति यह अपराध करता तो उसे तुरंत जेल भेज कर दंडात्मक कार्यवाही की जाती।**

वह भी एक गंभीर आर्थिक अपराध के मामले में, जिसमें अवैध कोयला खनन और हवाला लेनदेन के ज़रिये बिक्री की रकम को इधर-उधर करने के आरोप हैं। ईडी यह जांच प्रिवैशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कर रही थी।

इस तरह का कृत्य कानून की सामान्य प्रक्रिया में ही अपराध की श्रेणी में आता है। लेकिन जिस तरह से ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं, वह स्वयं कानून का स्पष्ट उल्लंघन था। वास्तव में उन्होंने राज्य पुलिस के एक दल के साथ ईडी की टीम पर हमला किया और उसे डराने-धमकाने का काम किया, जबकि एजेंसी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भारत-अमेरिका व्यापारिक वार्ता में अवरोध से भारी घबराहट है निर्यातकों में

## निर्यातकों ने भारत सरकार व अमेरिका से वार्ता पुनः शुरु करने का आग्रह किया

**- सुकुमार साह -**
**- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -**

नई दिल्ली, 10 जनवरी। भारत के निर्यातकों ने नई दिल्ली और वॉशिंगटन से तत्काल फिर से बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी से पहले ही नुकसान हो रहा है। और यदि टैरिफ का दबाव और बढ़ा तो यह नुकसान और बढ़ जाएगा। अमेरिका द्वारा चुनिंदा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगाए जाने के बाद, उद्योग संगठनों का तर्क है कि दांव पर सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भारत के सबसे बड़े निर्यात बाज़ार में उसके निर्यात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता भी लगी हुई है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (एफआईईओ) के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- **फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइज़ेशन के अध्यक्ष एससी रल्हन ने निर्यातकों के बीच बढ़ती हताशा और भय का हवाला देते हुए कहा कि दोनों पक्षों को परस्पर हित के लिए व्यापारिक समझौता करना चाहिए और उससे संबंधित मसलों का समाधान करना चाहिए।**
- **भारत के कुल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत अमेरिका को जाता है, इनमें टैक्सटाइल, लैदर, जवाहरात, इंजीनियरिंग वस्तुएं, ऑटो पार्ट्स व कैमिकल शामिल हैं। यह क्षेत्र 50 प्रतिशत टैरिफ से पहले ही त्रस्त है और अगर ट्रेड डील नहीं हुई तो इन वस्तुओं को अमेरिका के बाज़ार से हटना पड़ेगा।**
- **निर्यातकों का कहना है कि बातचीत में निष्क्रियता से नुकसान बढ़ रहा है, लाभ का मार्जिन सिकुड़ रहा है, प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, ऑर्डर कैंसल हो रहे हैं। ट्रेड डील मात्र प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि अस्तित्व से जुड़ी हुई है।**

# जैसलमेर में पारा 2.2 डिग्री रहा

जैसलमेर, (निसं)। शनिवार को जैसलमेर प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहाँ न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान प्रदेश के सबसे ठंडे माने जाने वाले हिल स्टेशन माउंट आबू (5.7) से भी कम रहा। उत्तर की बर्फीली हवाओं के कारण सुबह के समय कड़ाके की ठंड का एहसास ज़ीरो डिग्री जैसा हो रहा था।

- **मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिन तक शीत लहर जारी रहने का येलो अलर्ट जारी किया।**

शनिवार अलसुबह जिला घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। विज़िबिलिटी बेहद कम होने के कारण चाचा गांव के पास एक निजी बस और पुलिस की गाड़ी में जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पुलिस की गाड़ी में भारी नुकसान हुआ। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही और लोग सुबह देर तक अलाव जलाकर आग तापते देखे गए। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक घना कोहरा और शीत लहर जारी रहने का यलो अलर्ट जारी किया है।

# महाराष्ट्र में नए समीकरण उभरेंगे, शहरी निकाय चुनावों के बाद

## ठाकरे कज़िंस (उद्धव एवं राज ठाकरे) एक साथ आ गए हैं, चाचा-भतीजा (शरद पवार और अजित) ने भी चुनावी तालमेल कर लिया है

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 10 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति इस समय अभूतपूर्व पुनर्गठन के दौर से गुजर रही है, क्योंकि राज्य की 29 नगर निकायों में होने वाले चुनावों की तैयारी चल रही है। ये चुनाव तय समय से चार साल की देरी से कराए जा रहे हैं।

इन बदलावों में सबसे अहम है, एक तो अलग हो चुके ठाकरे कज़िन्स (चचेरे भाइयों) का साथ आना और दूसरे प्रतिद्वंद्वी पवार गुटों के बीच सुलह की शुरुआती कोशिशें।

एक ऐसे घटनाक्रम में जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने महा विकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन से नाता तोड़ते हुए मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ हाथ मिला लिया है।

- **ठाकरे परिवार की एकजुटता मात्र चुनावी लाभ के लिए नहीं, बल्कि वे बाल ठाकरे की विरासत और ''मराठी मानुस'' वोट बैंक पुनः पाना चाहते हैं। बीएमसी चुनावों में इस एकजुटता का क्या नतीज़ा निकलता है, इसी पर आगे का रास्ता निर्भर करेगा।**
- **एनसीपी के कर्ताधर्ता पवार परिवार में बढ़ती निकटता के पीछे शरद पवार की अपनी बेटी सुप्रिया सुले के भविष्य की चिंता मुख्य कारण है। वे जानते हैं, सुप्रिया उनके भतीजे अजित की तरह जनाधार वाली नेता नहीं हैं।**
- **यह भी चर्चा है कि एकजुट एनसीपी एनडीए में शामिल हो जाएगी। यहाँ राज्य में अजित पवार मुख्य भूमिका निभाएंगें और राष्ट्रीय स्तर पर सुप्रिया सुले।**

यह साझेदारी केवल चुनावी मजबूरी नहीं है, बल्कि दोनों ठाकरे भाइयों द्वारा मराठी राजनीति के दिग्गज बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से अपने नाम करने की रणनीतिक कोशिश है, जिनका व्यक्तित्व कभी महाराष्ट्र की राजनीति पर छाया हुआ था।

इस बात की कल्पना कुछ ही ने की थी कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के लिए एमवीए से अलग होकर मनसे के साथ गठबंधन करेगी। यह कदम महाराष्ट्र की राजनीति में दूरगामी असर डाल सकता है।

यह गठबंधन सधे हुए चुनावी गणित पर आधारित है। दोनों ठाकरे मिलकर ''मराठी मानूस'' को साधने की कोशिश कर रहे हैं, जो मुंबई की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है, वहीं उनकी नज़र मुस्लिम समुदाय पर भी है, जो करीब 20 प्रतिशत है, के समर्थन पर भी उनकी नज़र है।

इस रणनीति के पीछे सीधा सा तर्क है: एकजुट ठाकरे खेमे का मानना है कि वे कांग्रेस की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को हराने की बेहतर स्थिति में हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय के पास उन्हें समर्थन देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचेगा।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ओडिशा में चार्टर्ड प्लेन की क्रैश लैंडिंग, 6 घायल

राउरकेला, 10 जनवरी। ओडिशा में शनिवार की दोपहर भुवनेश्वर से राउरकेला जा रहा इंडिया वन एयर का 9 सीटर प्लेन अचानक लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों के घायल होने की खबर है। प्लेन राउरकेला के रघुनाथपल्ली इलाके में जल्दा ए ब्लॉक के पास क्रैश हुआ।

- **चार यात्री व दो पायलट वाले प्लेन में 4-5 किलोमीटर बाद ही खराबी आ गयी थी।**

शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। राहत की बात है कि बड़ा हादसा होने से टल गया। प्लेन में सवार सभी लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, इंडिया वन एयरलाइंस के विमान ने दोपहर करीब 1.30 बजे काटीबंधा कंसारा के पास एक खेत में इमरजेंसी लैंडिंग की। बताया

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्र.मंत्री ने राज्यों के मुख्य सचिवों की बैठक में उद्घोष किया, भारत अब ''रिफॉर्म एक्सप्रेस'' पर सवार हो गया है

## इस उद्घोष से एक बात तो स्पष्ट हो गई कि वर्षों की सैद्धांतिक बहस अब समाप्त हो गई और भारत ने बिना हिचक के ''रिफॉर्म्स'' के रास्ते पर चलने को स्वीकार कर लिया है और अब इस बारे में कोई अनिश्चिता नहीं है

**-सुकुमार साह-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 10 जनवरी। मुख्य सचिवों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री का यह कहना कि भारत ''रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार हो चुका है'', केवल भाषण में दिखाया गया आत्मविश्वास नहीं है। यह इस सोच को दिखाता है कि लंबें समय से चल रहा यह विवाद, कि भारत को सुधारों की ज़रुरत है या नहीं, अब खत्म हो चुका है और अब काम है तेज़ी से अमल करने का। दशकों तक चली नीतिगत ढिलाई, छोटे-छोटे सुधार और राजनीतिक हिचकिचाहट के बाद यह जल्दबाजी की भावना समझ में आती है, और कई मायनों में यह बहुत पहले हो जानी चाहिए थी, लेकिन, फिर भी तेजी की इस बात को गंभीरता से जांचने की ज़रुरत है। सुधारों की रफ्तार अर्थव्यवस्था को ऊर्जा दे सकती है, लेकिन संतुलन के बिना तेज़ी से सीक्वैंसिंग, संस्थागत क्षमता और सामाजिक स्वीकार्यता जैसे कठित मुद्दे पैदा करती है।

परिभाषा के अनुसार, सुधार स्थापित व्यवस्थाओं को हिला देते हैं। जब इन्हें बहुत तेज़ी से आगे बढ़ाया जाता है, तो फायदे के साथ-साथ दबाव भी बढ़ जाते हैं। भारत का अपना अनुभव एक चेतावनी देने वाला सबक देता है। 1991 के ऐतिहासिक सुधार साहसिक थे, लेकिन वे व्यापक आर्थिक स्थिरता, राजनीतिक सहमति और प्रशासनिक बदलाव के ढांचे में लागू किए गए थे। उदारीकरण केवल घोषित नहीं हुआ, उसे धीरे-धीरे अपनाया गया। आज के सुधार कहीं ज़्यादा जटिल माहौल में हो रहे हैं, जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था बंटी हुई है, बाहरी मांग धीमी है, सप्लाई चेन बदली जा रही है और देश के भीतर लगातार घरेलू असमानता बनी हुई है। इसलिए अमल केवल तकनीकी नहीं, बल्कि राजनीतिक और संस्थागत चुनौती भी है।

- **अब रिफॉर्म के बारे में कोई शंका या शुबहा नहीं है। पर, रिफॉर्म्स (उदारीकरण) को कामयाब बनाने के लिए ''रेग्युलेटरी सिस्टम'' की जयादा जरुरत है।**
- **बार-बार कायदे कानून बदलना, कायदे कानून के बारे में बहस अभी अनिर्णित है तथा उदारीकरण की नीति को लागू करने के बारे में राज्यों की नीतियों में निर्विवाद प्रक्रिया रही है, अतः क्रियान्वयन समतल नहीं है।**
- **उदाहरण के लिए न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट पार्टियों को भूमिका देना, स्वागत योग्य निर्णय है, पर, प्राइवेट सैक्टर इस क्षेत्र में अपनी पूँजी लगाने के पहले ''पारदर्शिता'', विवाद या मतभेद निपटाने की साफ सुथरी व्यवस्था आदि पर कोई दुविधा नहीं चाहेगा।**
- **अतः किसी ने बड़े सटीक तरीके से इस बारे में कहा है कि ''प्र.मंत्री की ''रिफॉर्म एक्सप्रेस'' को मजबूत पटरियों की ज्यादा जरुरत है बनिस्पत जोर से बजने वाली सीटी की।''**

सरकार का भरोसे पर आधारित शासन और नियमों में ढील पर ज़ोर देना सही दिशा में है। भारत की जांच-प्रधान और अनुपालन-भारी (इंस्पैक्टर ड्रिवन) व्यवस्था लंबे समय से उद्यिमता (अपना कारोबार शुरु करने की प्रक्रिया) पर भारी बोझ डालती रही है, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर। टैक्स कानूनों को सरल बनाना, पुराने नियम हटाना और श्रम कानूनों को तर्कसंगत करना बहुत समय से ज़रूरी था। लेकिन ज़मीनी स्तर पर अमल अभी भी असमान है। कई कारोबारों के लिए समस्या इरादे की नहीं, बल्कि नियमों की अनिश्चितता की है, बार-बार बदलाव, अस्पष्ट व्याख्या और राज्यों में अलग-अलग ढंग से लागू होना। केवल सुधारों की घोषणा नहीं, बल्कि नियमों की स्थिरता ही जोखिम कम करती है और निवेश को बढ़ावा देती है।

कर सुधार इस तनाव को साफ तौर पर दिखाता है। सरल जी.एस.टी. ढांचा और आधुनिक आयकर व्यवस्था को सभी लोग जरुरी मानते हैं। लेकिन,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्रधानमंत्री सोमनाथ पहुंचे

वेरावल, 10 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने तीन दिवसीय गुजरात दौरे के तहत सोमनाथ पहुंचे, जहां वे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। पीएम मोदी ओंकार जप में शामिल हुए और ड्रोन शो भी देखा। पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

- **वे रविवार को सुबह शौर्य यात्रा में भाग लेंगे।**

''सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं, जो हमारी सभ्यतागत साहस का एक गौरवशाली प्रतीक है। गर्मजोशी से स्वागत के लिए लोगों का आभारी हूं।

पीएम मोदी रविवार सुबह 9:45 बजे शौर्य यात्रा में हिस्सा लेंगे। यह एक औपचारिक जुलूस है जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है। यात्रा में 108 घोड़ों का एक प्रतीकात्मक जुलूस होगा, जो वीरता और बलिदान को दर्शाता है। इसके बाद, मोदी सुबह

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# माहेश्वरी समाज राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है : शाह

## अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने शिरकत की

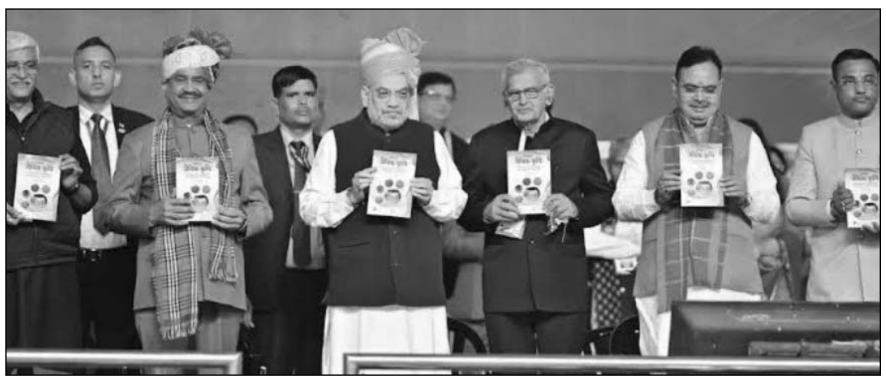

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने डाक टिकट जारी किया।

■ **माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है : सीएम भजनलाल**

**जोधपुर,** (कासं)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक आयोजनों से देश मजबूत बनता है। सामाजिक संगठनों की शक्ति समाज एवं देश के लिए उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा के संकल्प को चरितार्थ किया है। यह समाज अपने मूल से जुड़े रहते हुए राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा के उपयोग की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा ही समाज, धर्म और संस्कृति को जीवंत रखती है। इसलिए सभी अपने परिवार और परिचितों से स्वभाषा में संवाद करें जिससे नई पीढ़ी हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सके। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश की आत्मनिर्भरता, विकास और उद्योग क्षेत्र में अपना अहम योगदान दिया है। मैन्यूफेक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान शौर्य, पराक्रम और उद्यमशीलता की धरती है। माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों से प्रेरित रहा है और सेवा, समर्पण व त्याग इसकी पहचान हैं। आज जब हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तब नवाचार, तकनीक और उद्यमशीलता के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बिरला ने अव्हान किया कि परिवर्तन के इस दौर में सामूहिक संकल्प, कड़ी मेहनत और सामाजिक समरसता के साथ कार्य कर समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए। साथ ही, आर्थिक-सामाजिक संघर्ष से जूझ रहे वर्गों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन और ग्लोबल एक्सपो राजस्थान की सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत तथा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रदर्शन है। यह आयोजन समाज की एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से निकला यह समाज आज पूरे विश्व में फैला हुआ है। माहेश्वरी समाज ने सदैव सेवा-त्याग-सदाचार के मूल्यों को जीवन में धारण किया है तथा समाज के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में जो शांति और व्यवस्था है उसके पीछे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दृढ़ नेतृत्व है।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माहेश्वरी समाज को समर्पित डाक टिकट जारी करने के साथ ही माहेश्वरी गौरव ग्रंथ व जैविक खेती पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने अपना घर आश्रम के प्रथम चरण का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

# बजरी माफिया का शिकार हुये घायल वनकर्मी जितेंद्र की जयपुर में मौत

## वनकर्मी जितेंद्र का पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया

■ **सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने वनकर्मी जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था**

■ **चिकित्सकों की टीम ने घायल वनकर्मी जितेंद्र की जिंदगी बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था**

■ **ग्रामीणों व वनकर्मियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की मांग की**

**पावटा,** (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा निवासी वनकर्मी जितेंद्र ने अपनी ड्यूटी निभाते हुए प्राण न्यौछावर कर दिए, जिनका पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

डीएफओ आशीष व्यास ने बताया कि सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल वनकर्मी जितेन्द्र सिंह का जयपुर के अपेक्स अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में इलाज किया जा रहा था। चिकित्सकों की टीम ने जिंदगी को बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था। चिकित्सक दो दिन तक वनकर्मी की जिंदगी को बचाने में जुटे रहे। आखिर शुक्रवार रात्रि को ऑर्गन फेल हो जाने से वनकर्मी जितेंद्र की मौत हो गई। घटना से वन विभाग के कार्मियों व ग्रामीणों में आक्रोश है।

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री संजय शर्मा ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरमथुरा (धौलपुर) के झिरी गांव में कर्तव्य पालन के दौरान घायल हुए वनकर्मी जितेन्द्र सिंह शेखावत के जयपुर अस्पताल में उपचार के दौरान निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। डॉक्टरों द्वारा भरसक प्रयास किए गए, बांया पैर काटने के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। बजरी माफियाओं की इस नृशंस और अमानवीय हरकत की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ। दोषियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा छापेमारी जारी है और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

वहीं ग्रामीणों व वनकर्मियों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा शहीद हुए वनकर्मी जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की जाए, जहां डीएफओ आशीष व्यास ने मृतक के परिजनों से वार्ता कर मृतक को न्याय दिलाने व हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि 42 वर्षीय वनरक्षक जितेंद्र सिंह भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वन विभाग में यह उनकी पहली पोस्टिंग थी। उन्होंने सितंबर 2024 में सरमथुरा थाना इलाके में झिरी नाके पर जॉइन किया था। काम के प्रति सजग रहते थे। उन्होंने कई कार्रवाइयों में भाग लिया। इससे बजरी माफिया में खौफ था। कार्रवाई के दौरान समय नहीं देखते थे। गत दिवस रात 12 बजे ट्रैक्टर निकलने की सूचना मिलने पर उन्होंने अकेले ही मौके पर पहुंच कर बजरी ट्रैक्टर को रोका तो चालक ने उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। वनरक्षक विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा के निवासी थे। जिनके परिवार में दो बच्चे व पत्नी हैं।

## उचित मूल्य दुकानों के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित

**बीकानेर,** (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों के आंवटन के लिए जारी दिशा निर्देशों के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नगर निगम क्षेत्र बीकानेर एवं तहसील बीकानेर (ग्रामीण क्षेत्र) की आवंटन से शेष रही रिक्त (नवसृजित सहित) 44 तथा जिले के अन्य तहसील क्षेत्रों के 38 सहित उचित मूल्य की 82 दुकानों के आवंटन के लिए विभागीय निर्देशानुसार इच्छुक पात्र व्यक्तियों से प्राधिकार पत्र जारी किए जाने के लिए सशुल्क आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि आवंदन पत्र 23 जनवरी को सायं 5 बजे तक जिला रसद कार्यालय से जिला रसद अधिकारी के पक्ष में सौ रुपए का भारतीय पोस्टल ऑर्डर प्रस्तुत कर प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन 23 जनवरी को ही सायं 5 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के पुराने वार्डों (60) के अनुसार रिक्त एवं नवसृजित दुकानों क लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

# शिक्षकों को एक और जिम्मेदारी मिली, अब स्कूलों से आवारा कुत्ते भी भगाएंगे

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग जैसे कार्यों के साथ ही शिक्षकों को जो एक नई जिम्मेदारी मिली है वह हैरान करने वाली है। पहले से ही कई गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझे शिक्षकों के कंधों पर अब आवारा कुत्तों को भगाने और उन्हें पकड़वाने का जिम्मा भी दे दिया गया है।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों के आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों को भगाने और संबंधित विभागों से समन्वय कर उन्हें पकड़वाने की जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग के अनुसार यह कदम विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आवारा कुत्तों के संभावित हमलों से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि स्कूल परिसर में कोई अप्रिय घटना न हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें पकड़ने के आदेश दिए हैं। उसी आदेश की पालना में शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को यह निर्देश जारी किए हैं। आदेशों की अवहेलना पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर को निर्देश जारी किए हैं। उसी की पालना में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने राज्य के सभी संयुक्त निदेशकों को आदेश जारी कर राज्य के समस्त विभागीय अधीनस्थों के लिए इस संबंध में वांछित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मोहर सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा विभाग ने इस पूरी व्यवस्था पर नजर रखने के लिए एक नया सिस्टम भी खड़ा कर दिया है। आवारा कुत्तों की रोकथाम के इंतजामों की समीक्षा के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक संदर्भ केंद्र प्रभारी नियमित निरीक्षण करेंगे। कम से कम हर तीन महीने में एक बार स्थिति की जांच की जाएगी। अगर कोई भी लापरवाही पाई गई तो संबंधित प्रभारी और संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों को पहले से ही गैर शैक्षणिक कार्यों जिनमें बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग (प्रेरणा पोर्टल, आधार, बैंक खाता), मिड-डे-मील प्रबंधन, छात्रवृत्ति वितरण, स्कूल चलो अभियान, स्वच्छता अभियान, और स्कूल प्रबंधन से जुड़े कई प्रशासनिक आदि कार्य शिक्षकों से करवाए जा रहे है। इससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अब एक और नई जिम्मेदारी कुत्तों को भगाने की दे दी गई है। सरकार को शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्त करना चाहिए।

स्कूल बाउंड्री वॉल और गेट को इस तरह दुरुस्त किया जाएगा कि आवारा कुत्ते कैम्पस में दाखिल न हो सकें। छुट्टी के समय और सुबह गेट पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। खाने के लालच में कुत्ते स्कूलों के पास जमा होते हैं। अब मिड-डे मील के बचे हुए खाने और कचरे का निबटारा स्कूल परिसर से दूर बंद डस्टबिन में करना होगा। प्रार्थना सभा में बच्चों को कुत्तों के व्यवहार और बचाव के तरीके समझाएंगे। स्कूल परिसर या आसपास कुत्तों का जमावड़ा होने पर संस्था प्रधान तुरंत नगर निगम, नगरपालिका या पंचायत को सूचित करेंगे ताकि उन्हें वहां से हटाया जा सके।

# पोकरण क्षेत्र में 50 बीघा सरकारी भूमि पर किए अवैध अतिक्रमण तोड़े

■ **अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई की**

■ **कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई**

**पोकरण,** (निसं)। शहर में अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ जन आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। इसी जनदबाव के चलते स्थानीय प्रशासन ने रामदेवसर तालाब की आगोर भूमि पर निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रशासन ने रामदेवरा तालाब के आगोर के खसरा संख्या 87 की लगभग 50 बीघा सरकारी आगोर की भूमि पर वर्षों से किए गए करोड़ों रुपये के अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर पीले पंजे की कार्रवाई से ध्वस्त कर दिया। जैसलमेर रोड स्थित इस भूमि पर बनाई गई पक्की दीवारों को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह जमीनदोंज कर दिया गया। यह कार्रवाई दो घंटे से अधिक समय तक चली। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। सुबह से ही स्थल पर पालिका प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

वहीं जिला कलैक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपखंड कार्यालय पोकरण में बैठकर पल-पल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद रहीं और शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। यह कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई। घटना के बाद से पोकरण सहित पूरे जैसलमेर जिले में आक्रोशपूर्ण माहौल बना हुआ है। इसी दौरान पोकरण शहर में हिंदू समाज की सभा भी आयोजित हो रही थी, ऐसे में प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

इस संबंध में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों द्वारा किए गए अतिक्रमणों पर बुलडोजर की कार्रवाई जारी रहेगी। सभी दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पोकरण में शांति बनाए रखना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। गौवंश की हत्या करने वालों और उनके सहयोगियों पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि और जलाशयों की आगोर पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेंगी।

इस कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार सैन, पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह, पोकरण थानाधिकारी भारत राव, उपखंड अधिकारी हीरसिंह चारण सहित जिले के अनेक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

# फर्जी कागजात बनाने का आरोपी गिरफ्तार

■ **2023 में फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।**

**श्रीगंगानगर,** (निसं) कोतवाली पुलिस ने एक भूखंड को हड़पने की नीयत से फर्जी कागजात बनाने के करीब ढाई वर्ष पुराने मामले में पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से श्रीगंगानगर और गत काफी समय से लुधियाना पंजाब में रह रहे डॉ. सुदर्शन गोयल की ओर से अदालत में दायर किए इस्तगासा के आधार पर सितंबर 2023 में धोखाधड़ी जालसाजी तथा फर्जी कागजात बनाने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पहली गिरफ्तारी अमृतपालसिंह निवासी ज्वाएवाला थाना केसरीसिंहपुर के रूप में हुई है। डॉ. सुदर्शन गोयल का एक भूखंड गणगौर नगर में था। इसके फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

# जुआ-सट्टा खेलते चार जने गिरफ्तार

**श्रीडूंगरगढ़,** (निसिं)। स्थानीय पुलिस ने जुआ और सट्टा खेलने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। इसमें चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उनके पास से नकदी और सट्टा पर्चियां बरामद की हैं। पहली कार्रवाई बीदासर रोड स्थित बीएसएनएल टावर के पास की गई। एसआई रतनलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वहां दबिश दी। वहां पर ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे तीन युवकों को दबोचा गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजकुमार मोदी, साबीर सब्जीफरोश और कैलाश सिकलीगर के रूप में हुई है। मौके से ताश की गड्डी और 3240 रुपए नकद जब्त किए। वहीं दूसरी कार्रवाई घूमचक्कर सर्किल के पास की गई। हेड कांस्टेबल भगवानाराम ने गश्त के दौरान सट्टे की खाईवाली करते हुए सत्यनारायण राजपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्चियां और 360 रुपए बरामद किए।

# सुखाड़िया वि.वि. के रिटायर्ड अधिकारी से लाखों की ठगी

■ **सायबर ठगों ने पति-पत्नी को 12 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा, फर्जी सीबीआई अधिकारी, एएसपी और मजिस्ट्रेट बनकर ठगा**

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के एक रिटायर्ड अधिकारी को सायबर ठगों ने करीब 68 लाख रुपए की ठगी कर ली। इतना ही नहीं, ठगों ने उन्हें और उनकी पत्नी को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर के न्यू केशवनगर इलाके में रहने वाले 68 वर्षीय भरत व्यास, जो सुखाड़िया विवि के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, और उनकी पत्नी आशा व्यास को ठगों ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए फंसाया। ठगों ने कुल 67 लाख 90 हजार रुपए हडप लिए। सायबर पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, 28 दिसंबर 2025 को भरत व्यास के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें कहा गया कि उनके नाम पर शिकायत दर्ज हुई है। थोड़ी देर बाद व्हाट्सऐप कॉल पर एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली सीबीआई से लक्ष्मण बताते हुए कहा कि उनका मनी लॉन्ड्रिंग केस में नरेश नामक व्यक्ति से 20 लाख का लेनदेन हुआ है। बाद में उसने कहा कि आपसे सीबीआई चीफ बात करेंगे और फिर, लक्ष्मण ने जॉइंट कॉल में समाधान पंवार को जोड़ा, जो खुद को सीबीआई दिल्ली ब्रांच का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बता रहा था। पंवार ने भरत और उनकी पत्नी से संपत्ति, बैंक बैलेंस, जेवर आदि की जानकारी ली और कोर्ट में पेश करने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार, तथाकथित जांच अधिकारी लक्ष्मण जो कि पूर्व में व्हाट्सएप कॉलिंग से जुडा हुआ था जिसने मजिस्ट्रेट को कॉल में जोडा। मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिसने कहा कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है और आप इसके दोषी पाये गये हो। मजिस्ट्रेट ने कहा कि बैंक बैलेंस और जेवरों की कुल 11.90 लाख रुपए की रकम तुरंत कोर्ट के बैंक अकाउंट में जमा कराएं, जिससे आपकी जमानत स्वीकार की जा सके भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि वरिष्ठ नागरिक होने से और गिरफ्तारी के डर से उक्त लोगो द्वारा बताए गए बैक खाते में 5.50 लाख रुपए जमा करवाए। भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि 28 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक व्हाट्सएप वीडियो कॉल्स के जरिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट रखा गया और विभिन्न किश्तों में 5.50 लाख, 9 लाख, 20 लाख, 20 लाख, 2 लाख और 6.40 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गए पीड़ित भरत व्यास ने बातचीत में कहा कि इस घटना से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं और जिनसे पैसे उधार लिए थे, उन्हें लौटाने के लिए अपनों से सलाह ले रहे हैं।

## प्रकाश रिजवानी ने एसडीपी डोनेट की

**कोटा,** (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा तेज सर्दी में भी दिन-रात लोगों की मदद की जा रही है, ऐसे में रात को निजी अस्पताल में भर्ती ललित मालव के लिए ओ पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, सर्दी तेज होने के कारण लोग नहीं पहुंच पा रहे थे, ऐसे में मैसेज को वायरल किया गया और स्टेटस लगाए गए, केशवपुर निवासी व्यवसायी प्रकाश रिजवानी ने जब मैसेज देखा तो एसडीपी डोनेशन की इच्छा जाहिर की और अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे।

लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि प्रकाश रिजवानी ने पहले पूरी प्रक्रिया जानी और उसके बाद जीवन में पहली बार एसडीपी डोनेट की। एसडीपी डोनेशन के बाद वह काफी प्रसन्न नजर आए और संकल्प लिया कि आगे भी इसी तरह अब वह सेवा करते रहेंगे। इस जब्बे को देख मरीज के परिजन ने इस समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

# अलवर के धर्मपुरा गांव का स्कूल अकबरपुर कस्बे में शिफ्ट, ग्रामीणों में नाराजगी

## ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर कहा कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है

धर्मपुरा के ग्रामीणों ने स्कूल शिफ्ट करने पर विरोध-प्रदर्शन किया।

■ **ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है**

**अलवर,** (निसं)। अलवर जिले के अकबरपुर क्षेत्र के धर्मपुरा गांव के राजकीय स्कूल भवन को जर्जर बताकर ध्वस्त कर दिया गया। स्कूल को धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे में स्थानांतरित किया गया है जिसको लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है।

सरपंच प्रतिनिधि महेश पटेल व ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है। स्कूल तक पहुंचने का रास्ता अलवर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरता है, जहां दिनभर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजना उनके जीवन के लिए खतरे से कम नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि अकबरपुर स्थित स्कूल जाने के लिए बच्चों को खेतों की पगडंडियों से होते हुए जाकर हाईवे पार करना पड़ेगा, जिससे हादसे की आशंका रहेगी, जबकि धर्मपुरा गांव में ही कक्षा एक से आठवीं तक के संचालन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इसको लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने एकजुट होकर धर्मपुरा स्कूल को अकबरपुर शिफ्ट किए जाने का विरोध किया है। इसके बाद ग्रामीण व अभिभावक अकबरपुर स्कूल पहुंचे और वहां भी विरोध जताया। ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा विभाग ने बिना मौके का जायजा लिए ही स्कूल ट्रांसफर का निर्णय ले लिया।

# महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने महिला से दुष्कर्म के दर्ज मामले में हुए दो हजार रूपये के ईनामी आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 6 जनवरी को फरियादिया ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसका पति अधिकतर घर के काम से बाहर रहता है और कोई काम होता तो उसका पति अपने मित्र ओमेन्द्र आर्य को घर भेज देते थे, जिससे ओमेन्द्र से अच्छी जान पहचान हो गई। महिला ने रिपोर्ट में कहा कि ओमेन्द्र ने 20 दिसम्बर 2025 को मूवी दिखाने के लिये उसको साथ चलने को कहा जिस पर वह ओमेन्द्र के साथ मूवी देखने गई और मूवी के बाद ज्यादा रात्रि होने एवं फोन डिस्चार्ज होने पर रात्रि को घर का गेट नहीं खुलवा सकी। फरियादिया ने रिपोर्ट में कहा कि जिस पर ओमेन्द्र ने होटल में रूकने को कहा। रिपोर्ट में कहा कि होटल में वह भी रूक गया और जहां उसने होटल के कमरे में जबरदस्ती दुष्कर्म किया। शहर एसपी ने कहा कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार आरोपी पर दो हजार के ईनाम राशि घोषित की गई, मामले में कुन्हाडी थानाप्रभारी कौशल्या गालव ने टीम के साथ फरार आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया। कुन्हाडी थाना प्रभारी कौशल्या गालव ने बताया कि आरोपी को अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

# मकान पर फायरिंग करने वाले तीन गिरफ्तार

**उदयपुर,** (कासं)। कुराबड़ थाना पुलिस ने जगत गांव में मकान पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार 30 दिसंबर 2025 को पीड़ित किशन पुत्र पूनमचन्द निवासी जगत ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 27 दिसंबर रात में मैं व मेरे परिवार के लोग खाना खाने के बाद मकान में सो रहे थे। जहां रात में करीब एक बजे मकान के बाहर पटाखा फूटने जैसी आवाज सुनाई दी थी। जिस पर उस समय कोई ध्यान नहीं दिया। दूसरे दिन सवेरे उठकर देखा तो मकान के हॉल में दरवाजे की पास प्लास्टर में गड्डा था एवं कमरे की चोखट पर लगे पत्थर का कोना खंडित था। इस पर बंदूक से फायर करने की शंका व्यक्त की। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी प्रभूलाल मय टीम ने कार्यवाही करते हुए मौके से एवं पीड़ित से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान करते हुए मामले में तीन संदिग्ध मावाराम पुत्र भाना निवासी चरमर तालाब कुराबड़, गणेशलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़, लक्ष्मणलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़ को डिटेन किया। जिन्होंने पूछताछ के बाद वारदात करना कबूल करने पर गिरफ्तार किया।

# प्रदेश में सर्दी का असर जारी, श्रीगंगानगर में तापमान 3.9 डिग्री पहुंचा

## श्रीगंगानगर में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 5 मीटर से कम बनी हुई है

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। जिले में कोहरे और तेज ठंड का कहर लगातार जारी है। जिलेभर में घना कोहरा छाया हुआ है, जिसके कारण विजिबिलिटी 5 मीटर से कम बनी हुई है। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम चुकी है और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालक दिन में भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर चल रहे हैं।

- **कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थमी, आमजन परेशान, वाहन चालक दिन में भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर चल रहे हैं**

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। इससे पहले गुरुवार को यहां न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री और अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया था। शीतलहर और कोहरे के कारण न्यूनतम तापमान में 1.9 डिग्री की गिरावट आई है। शुक्रवार को तीन दिन बाद अच्छी धूप निकली, जिससे अधिकतम तापमान में 2.9 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई और पारा 15.2 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि, ठंडी हवाओं के कारण धूप के बावजूद ठिठुरन बनी रही। सूर्यास्त के बाद ठंड फिर से तेज हो गई जिससे रात में कंपकंपी बढ़ गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले एक सप्ताह तक मौसम ड्राई बना रहेगा। पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में अगले 2-3 दिन तक घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। साथ ही, न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट आने की संभावना है।

### चूरू में छाया घना कोहरा

**चूरू,** (निसं)। चूरू मे शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिसके कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। रेवाड़ी से बीकानेर जाने वाली सुपरफास्ट ट्रेन भी अपने निर्धारित समय से देरी से चूरू पहुंची। कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखाई दिये। स्कूली बच्चों को 10 जनवरी तक छुट्टियों के कारण घरों में रहने से राहत मिली है। सुबह के समय छाया घना कोहरा फसल के लिए लाभदायक साबित होगा।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटों में जयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई है। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी भागों के कुछ हिस्सों में आगामी दो-तीन दिनों तक घना कोहरा और कोल्ड-डे की स्थिति जारी रह सकती है। राज्य के उत्तरी भागों में अगले दो-तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट और कहीं-कहीं शीतलहर चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को चूरू का न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय छाया घना कोहरा बारानी चने की फसल के लिए लाभदायक साबित होगा।

### बीकानेर में ठंड और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

**बीकानेर,** (निसं)। प्रदेश में सर्दी का असर लगातार तेज होता जा रहा है। बीकानेर में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की छुट्टी घोषित कर दी है, लेकिन नौवी से बारहवीं तक के छात्रों के लिए भी स्कूल जाना आसान नहीं रहा।

- **दिन और रात के तापमान में बढ़ते अंतर से ठिठुरन और ज्यादा बढ़ गई है, सुबह करीब 5 बजे से ही बीकानेर घने कोहरे की चपेट में आ गया**

स्कूलों का समय सुबह 10 बजे का है, लेकिन उस वक्त भी पूरा शहर कोहरे की चादर में लिपटा रहता है। शहर का अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 5.8 डिग्री तक पहुंच गया। दिन और रात के तापमान में बढ़ते अंतर के चलते ठिठुरन और ज्यादा बढ़ गई है। सुबह करीब 5 बजे से ही बीकानेर घने कोहरे की चपेट में आ गया। शहर के कई इलाकों में सुबह 10 बजे तक कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। हालांकि कोहरा बहुत घना नहीं था, लेकिन ठंडी हवाओं के साथ मिलकर सर्दी का असर ज्यादा महसूस हुआ। इस दौरान विजिबिलिटी करीब 100 मीटर तक ही सीमित रही।

सर्दी के चलते भले ही आठवीं तक के बच्चों की छुट्टी कर दी गई है, लेकिन नौवी-दसवीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूल जाना मजबूरी बना हुआ है। सुबह कोहरे और तेज ठंडी हवाओं के बीच छात्रों को स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्कूलों के साथ-साथ शहर के कोचिंग संस्थान भी सुबह के समय नियमित रूप से चल रहे हैं। जयपुर रोड स्थित कई कोचिंग सेंटरों में बच्चों को सुबह 9 बजे से पहले ही पहुंचना पड़ रहा है। ठंड और कोहरे के बीच रोजाना सफर करना छात्रों के लिए भारी पड़ रहा है। कई छात्र सर्दी के कारण देरी से पहुंच रहे हैं। सर्दी का असर शाम होते ही साफ नजर आने लगता है। रात करीब 8 बजे के बाद शहर में कर्फ्यू जैसे हालात बन जाते हैं। कॉलोनियों और बाजार क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा रहता है और लोग जल्दी ही अपने घरों में दुबक जाते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सर्दी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। रात के तापमान में और गिरावट आ सकती है, जबकि सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है। ऐसे में बीकानेरवासियों को अभी कुछ दिन और कड़ाके की ठंड झेलनी पड़ेगी।

### कोहरे ने लगाए वाहनों के ब्रेक, ट्रेनों के संचालन पर भी असर पड़ा

कोहरे के कारण ट्रैन भी अपने निर्धारित समय से लेट चल रही है।

**छबड़ा,** (निसं)। कस्बे सहित ग्रामीण अंचल में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान सर्दी भी थोड़ी तेज रही एवं सड़कों पर वाहनों को चलने में परेशानी हुई। दिन में कोहरे का असर लगभग दस बजे तक रहा। इसके बाद धीरे-धीरे धूप खिल गई, लेकिन सर्द हवा के चलने से सर्दी से राहत नहीं मिली। ग्रामीण अंचलों में भी कोहरे का असर ज्यादा रहा। वाहन चालकों को दिन भी लाइट जलाकर धीरे-धीरे चलना पड़ा। लोग दिन में अलाव तापते नजर आए।

- **ग्रामीण अंचलों में भी कोहरे का असर ज्यादा रहा, लोग दिन में अलाव तापते नजर**

**रेल यातायात भी प्रभावित :-** ट्रेनों के संचालन पर भी कोहरे का असर साफ देखा गया। यहां ट्रेनों की गति धीमी हो गई थी, जिससे यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस कारण कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी देरी से चल रही थीं। वहीं सड़कों पर बसों की गति धीमी होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चिकित्सको ने सर्दी के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने सांस, हृदय, ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों को नियमित दवा लेने और ठंड से बचाव करने की सलाह दी है। सुबह और शाम के समय बाहर निकलने से बचने, गुनगुना पानी पीने और संतुलित आहार लेने पर जोर दिया गया है।

# कोटा में 28 लाख की स्मैक सहित दो तस्कर गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। शहर में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए 132.05 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़ी गई अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 28 लाख रूपये है।

- **पकड़े गये दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिये शहर के समस्त थानाधिकारियों को विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि भीमगंजमंडी पुलिस व एएनटीएफ चौकी को मादक पदार्थ सप्लाई की सूचना मिली, जिस पर पुलिस उप अधीक्षक डॉक्टर पूनम के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने सूचना पर मय जाब्ता इन्द्रा कॉलोनी के सामने माला रोड़ पर चैकिंग के दौरान दो जनों पर संदेह होने पर रोककर तलाशी ली तो उनके पास से टीम ने अवैध मादक पदार्थ 132.05 ग्राम स्मैक बरामद की। शहर एसपी ने बताया कि बरामद की गई अवैध मादक पदार्थ का अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 28 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में जिला चूरू सुजानगढ़ निवासी विकास सोलंकी उर्फ गजनी (32) एवं भरत जाट उर्फ मामा (28) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में अनुसंधान जारी है।

### मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी

**कोटा,** (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में स्थित मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार एक महिला की मौत के बाद तीये की रस्म के लिये परिजन जब नयापुरा मुक्तिधाम पहुंचे तो परिजनों ने देखा कि अस्थियों से छेड़छाड़ की गई है और कुछ अस्थियां गायब है। बताया जा रहा है कि बीते दो दिन में मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी होने का दूसरी घटना सामने आई है। परिजनों ने अस्थियां चोरी होने की सूचना पुलिस को दी। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि नयापुरा निवासी मोहिनी बाई की मौत के बाद परिजनों ने 8 जनवरी को नयापुरा मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया था, शनिवार को तीसरे की रस्म के लिये मृतका के परिजन मुक्तिधाम पहुंचे तो उन्होंने देखा कि अस्थियों से छेड़छाड़ हुई है और कुछ अस्थियां गायब है। थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

### अवैध मादक पदार्थ सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

#### कार से 28 किलो डोडा-चूरा एवं 80 ग्राम अफीम बरामद की

**कोटा,** (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत कार्यवाही करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 28 किलो 800 ग्राम डोडा-चूरा एवं 80 ग्राम अफीम सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया के नेतृत्व में टीम ने झालावाड़-कोटा रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान एक तेज गति से आ रही कार को रोककर और संदेह होने पर कार की तलाशी ली। शहर एसपी ने बताया कि तलाशी के दौरान कार की डिक्की से तीन प्लास्टिक कट्टों से भरा अवैध मादक पदार्थ 28 किलो 800 ग्राम डोडा-चूरा एवं कार की डैशबोर्ड में छिपाकर रखी गई 80 ग्राम अफीम बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में तीन अन्तर्राज्यीय तस्कर जिला अलवर के मुबारिकपुर निवासी जसपाल (30) एवं गमोकड़ी निवासी विजय (19) एवं मुबारिकपुर निवासी मंजीत सिंह (24) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये तस्करों से अनुसंधान जारी हैं।

# नुपुर-स्टेबीन की शादी में कई फिल्मी सितारे उदयपुर पहुंचे

## ईसाई रीति-रिवाज से हुई शादी

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर में हो रही अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन व स्टेबीन की हो रही रॉयल वेडिंग में फिल्मी सितारे शनिवार को उदयपुर पहुंचे। शनिवार दोपहर में अभिनेत्री दीशा पटानी व मौनी रॉय व सिंगर बी प्राक उदयपुर पहुंचे। अभिनेता वरूण शर्मा शुक्रवार को ही उदयपुर पहुंच चुके हैं। वहीं होटल राफेल्स में हो रही इस शादी में आज ईसाई रीति रिवाज से शादी की रस्में हुई। रात को संगीत सेरेमनी में सूफी कव्वाली गायक व संगीतकार सागर भाटिया प्रस्तुति देंगे। रविवार को शादी के फेरे होंगे।

लेकसिटी में नुपुर-स्टेबीन की रॉयल वेडिंग में शुक्रवार रात मेहंदी सेरेमनी में कृति सेनन जमकर थिरकी। उन्होंने भोजपुरी सहित कई बॉलीवुड तरानों पर अपनी बहन व मेहमानों के साथ डांस किया। शादी के गोपनीय आयोजनों के तहत शनिवार शाम को होटल राफेल्स में ईसाई रीति रिवाज से शादी हुई। रात को संगीत सेरेमनी में सूफी कव्वाली गायक सागर भाटिया ने प्रस्तुति दी। हालांकि इस शाही अंदाज की शादी को बहुत ही संजीदगी व करीबी रिश्तेदारों व परिजनों की मौजूदगी में ही किया जा रहा है।

# सम स्थित आठ रिसोटर्स् पर जीएसटी टीम ने 50 लाख की कर चोरी पकड़ी

## टीम ने रिसोट्र्स के रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और कच्ची पर्चियों को जब्त किया है, जिनकी जांच की जा रही है

**जैसलमेर,** (निसं.)। जैसलमेर जिले के सम में मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन एवं अपर आयुक्त, जोधपुर प्रथम विशाल दवे के पर्यवेक्षण में जोधपुर, बाड़मेर एवं जैसलमेर की टीमों द्वारा जीएसटी की कार्रवाई के तहत सम स्थित आठ रिसोटर्स् पर जीएसटी चोरी की संभावना में सर्वेक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग वृत जैसलमेर, जोधपुर प्रथम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्रवाई के दौरान लगभग 50 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। टीम ने प्रारंभिक जांच में रिसोट्र्स द्वारा लगभग 50 लाख रुपये की कर चोरी पकड़ी है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से कच्चे बिलों पर कारोबार करने, बिना जीएसटी इनवॉइस के पर्यटकों को सेवाएं देने और प्राप्त कर को सरकारी खजाने में जमा नहीं कराने की शिकायतों के बाद की गई।

- **कार्रवाई मुख्य रूप से कच्चे बिलों पर कारोबार करने, बिना जीएसटी इनवॉइस के पर्यटकों को सेवाएं देने के बाद की गई**

एसजीएसटी विभाग ने विभिन्न पर्यटन स्थलों और होटल सेक्टर में कर चोरी रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत 100 से अधिक ठिकानों पर सर्वे किए गए हैं। टीम ने रिसोट्र्स के रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और कच्ची पर्चियों को जब्त किया है, जिनकी विस्तृत जांच की जा रही है।

# मृत कैदी का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया

**पाली,** (नि.सं.)। पाली जिला कारागृह में तोलिए से फंदा लगाकर आत्महत्या करने वाले मृत कैदी राजेन्द्र (20) का शनिवार को पाली के बांगड़ अस्पताल में मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम कराया गया।

- **पोस्टमार्टम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट जेएम कोर्ट-2 भव्या झरवाल की मौजूदगी में मृतक के भाई व अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए**

पोस्टमार्टम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट जेएम कोर्ट-2 भव्या झरवाल की मौजूदगी में मृतक के भाई व अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए। मृतक के बड़े भाई सोहनलाल ने आरोप लगाया कि उनके भाई को झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को सरकारी सहायता देने की मांग भी उठाई। गौरतलब है कि जोधपुर जिले के बोरूंदा निवासी राजू उर्फ राजेन्द्र (20) को जैतारण थाना पुलिस ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर 26 दिसंबर को न्यायिक अभिरक्षा में पाली जिला जेल भेजा था। शुक्रवार दोपहर को राजेन्द्र ने जेल के बाथरूम में तोलिए से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

# उदयपुर में टैंक में गिरने से बच्चे की मौत

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर में पानी के टैंक में गिरने से पांच साल के एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चा रोजाना की तरह अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी अचानक वह खुले टैंक में गिर गया। करीब डेढ़ घंटे घर नहीं आने पर मां ने उसकी तलाश शुरू की बाहर टैंक का ढक्कन खुला देखकर जब उन्होंने अंदर झांका, तो बच्चे का शव पानी में तैरता हुआ मिला।

- **बच्चा रोजाना की तरह अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी खुले टैंक में गिर गया**

थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि भूताला के घाटा निवासी 5 साल का गणेश पुत्र शंकर गमेती रोज की तरह घर के बाहर खेल रहा था। करीब डेढ़ घंटे बाद जब मां उसे देखने बाहर आई तो वह नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पडोसियों के यहां और आसपास काफी तलाश की। वहीं घर के पास बने खुले पानी के टैंक पर नजर पड़ी। जब टैंक में झांका तो पानी से भरे टैंक में गणेश का शव तैरता हुआ मिला। हादसे की वजह लापरवाही सामने आई है। टैंक पर न तो ढक्कन लगा था और न ही ऊपर कोई पत्थर या कोई कवर रखा गया था।

# पावटा में घने कोहरे के कारण पिकअप में घुसी रोडवेज बस, दो दर्जन यात्री घायल

**पावटा,** (निसं)। घने कोहरे के चलते एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। राजस्थान रोडवेज की बस सड़क किनारे खड़ी पिकअप में जा घुसी, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कई सवारियां घायल हो गई।

- **टायर फटने के कारण खड़ी पिकअप से टकराकर बस डिवाइडर पर चढ़कर रुक गई**
- **जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर पावटा के पास हुआ हादसा**

बस हादसे में हुए घायलों का अस्पताल में उपचार किया।

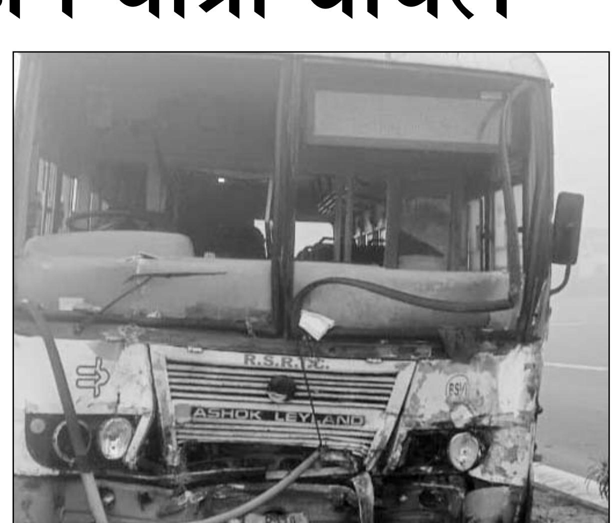


हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर जयपुर से दिल्ली जाते समय कोहरे के कारण एक राजस्थान रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि घने कोहरे के कारण पावटा कस्बे में सीएससी से 1 किलोमीटर पहले सड़क मार्ग पर टायर फटने के कारण खड़ी पिकअप से टकराकर रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस पिकअप से टकराकर डिवाइडर पर चढ़कर रुक गई। दुर्घटना में दो दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गई, जहां उन्हें एंबुलेंस की सहायता से उपजिला अस्पताल पावटा में भर्ती करवाया गया है। वहीं डॉ. रवि बंसल, डॉ. एस के वर्मा सहित टीम ने रोडवेज के ड्राइवर किरण सहित तीन अन्य को जयपुर के लिए रेफर किया व घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के वक्त क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था, दृश्यता बेहद कम थी, कोहरे के कारण चालक समय पर सड़क किनारे खड़ी पिकअप को नहीं देख सका और सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी सहित ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

# बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रदेश में 4394 लेक्चरर के तबादले किये

## शिक्षा विभाग ने छुट्टी के दिन दो बार में ट्रांसफर लिस्ट जारी की

**बीकानेर,** (निसं)। राजस्थान बोर्ड परीक्षा के एक महीने पहले 4394 स्कूल लेक्चरर के ट्रांसफर कर दिए। शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को छुट्टी के दिन दो बार लिस्ट जारी की। सुबह 7.45 बजे पहली लिस्ट में 1644 हिंदी लेक्चरर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई। इसके बाद 10 बजे अन्य सब्जेक्ट के 2,750 लेक्चरर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई। अभी और ट्रांसफर लिस्ट आ सकती है। इससे पहले माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने चार सौ से अधिक प्रिंसिपल के तबादले किए थे।

- **लेक्चरर के तबादले होने से छात्रों की बोर्ड परीक्षा तैयारी पर सीधा असर पड़ेगा**
- **शिक्षा विभाग के फैसले से स्कूलों में असमंजस की स्थिति बनीं**

विभागीय सूत्रों के अनुसार हिंदी के बाद अन्य विषयों के लेक्चरर की भी बड़ी ट्रांसफर लिस्ट जारी की जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो बोर्ड परीक्षा से ठीक पहले स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होगी। नए स्थानों पर शिक्षक समय पर जॉइन नहीं कर पाए तो छात्रों की तैयारी अधूरी रह सकती है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू हो रही है। इस बार परीक्षाएं मार्च के बजाय फरवरी में करवाई जा रही है, लेकिन इसके बावजूद पाठ्यक्रम में किसी तरह की कटौती नहीं की गई है। ऐसे में पहले से समय की कमी झेल रहे स्टूडेंट्स पर तबादलों का असर पड़ेगा। सर्दी के मौसम को देखते हुए भी 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स की छुट्टी नहीं की गई है। इसके बावजूद कई स्कूलों में उपस्थिति कम बनी हुई है। ऐसे समय में लेक्चरर के तबादले होने से छात्रों की बोर्ड परीक्षा तैयारी पर सीधा असर पड़ेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले प्रदेशभर में 400 से अधिक प्रिंसिपल के तबादले किए थे। ये तबादले एक साथ नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग ट्रांसफर लिस्ट जारी कर किए गए थे, जिससे कई स्कूलों में लगातार प्रशासनिक अस्थिरता बनी रही।

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों पर लेक्चरर की ड्यूटी लगाई जाती है। बड़ी संख्या में तबादलों के चलते परीक्षा ड्यूटी का कार्य करना भी विभाग के लिए चुनौती बन सकता है। शिक्षा विभाग के इस फैसले से स्कूलों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है और पेरेंट्स में भी चिंता का माहौल है।

## सार-समाचार

### धोरीमन्ना में धरना-प्रदर्शन जारी

**धोरीमन्ना**, (निसं)। बालोतरा जिले में गुडामालानी और धोरीमना को सम्मिलित किए जाने के निर्णय के विरोध में धोरीमना कस्बे में चल रहा धरना प्रदर्शन शनिवार को 9वें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहा। बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता धरना स्थल पर पहुंचे, जिससे भीड़ और आक्रोश दोनों में इजाफा देखने को मिला। धरना स्थल पर पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी लगातार नौ दिनों से धरने पर डटे हुए हैं और आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके साथ सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, चौहटन के पूर्व विधायक पदमाराम मेघवाल, पुष्पा चौधरी (पूर्व प्रधान), आजाद सिंह राङ्गौड, डालूराम चौधरी (पूर्व उप-प्रमुख), फतेह खान, खरताराम (पूर्व प्रधान, बाडमेर), ठाकराराम माली सहित कांग्रेस सचिव पीएससी एवं कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धरना स्थल पर मौजूद रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में प्रशासन के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि जनता की सहमति और क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर लिया गया यह निर्णय जनभावनाओं के खिलाफ है। वक्ताओं ने मांग की कि गुडामालानी और धोरीमना को बालोतरा जिले में सम्मिलित करने के निर्णय पर तुरंत पुनर्विचार किया जाए। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो धरना प्रदर्शन को और अधिक व्यापक व तेज किया जाएगा। धरना स्थल पर शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक माहौल रहा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आमजन ने साफ शब्दों में कहा कि मांगें पूरी होने तक धरना प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा।

### 600 किलो अमानक पनीर पकड़ा

**रेवदर**, (निसं)। सिरोही–जिला कलक्टर अल्पा चौधरी के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर दिनेश खराडी के निर्देशानुसार शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले में लगातार कार्रवाई जारी है ।डॉक्टर खराडी ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान टी शुभ मंगला के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जाचने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा दल सिरोही के द्वारा शनिवार निरीक्षण के दौरान एफएसओ मुकेश प्रजापत एवं धर्मवीर रेगर ने लगभग 600 किलोग्राम मात्रा में खाद्य पदार्थ पनीर जो कि एक इको गाडी में गुजरात से सिरोही जिले में सप्लाई के लिये लाया गया था, जिसे विक्रेता द्वारा सस्ती दरों पर विक्रय किया जा रहा था, विक्रेता के पास खाद्य अनुज्ञा एवीएम बिल आदि नहीं पाये गए को पकडा ।मौके पर सीएमएचओ डॉ दिनेश खराडी पहुंचे,उक्त पनीर स्वाद में खट्टा एवं सूंघने पर बदबूदार पाया गया,मिलावट के संदेह पर मोके पर ही मोबाइल फूड लैब को मंगवाकर जाँच की गई जिसमे अमानक पाया गया । विक्रेता द्वारा उक्त पनीर सिरोही हाईवे स्थित जिन होटलों में सप्लाई किया जा रहा था ,उन पर भी टीम द्वारा निरीक्षण कर कार्रवाई की जायेगी ।उक्त पनीर को टीम द्वारा मौके पर नमूनीकरण किया गया तथा नियमानुसार जेसीबी मंगवाकर नष्टिकरण की कार्रवाई भी की गई एवं लिए गए पनीर के नमूने जांच हेतु खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला जोधपुर भिजवाये गए । सीएमएचओ खराडी ने सभी खाद्य कारोबारीयो निवेदन किया है कि खाद्य सामग्री बनाने में उच्च गुणवत्ता युक्त सामग्री का उपयोग करने करे,स्वच्छता एवं हाइजीन का विशेष ध्यान रखें द्य खुले तेल ,मसाले इत्यादि नहीं बेचे द्य बिना फूड लाइसेंस खाद्य सामग्री का निर्माण ,भंडारण ,परिवहन या वि य नहीं करे । निर्देशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### मानवेन्द्र जसोल की सरहद समृद्धि यात्रा

**जैसलमेर**, (नि.सं.)। पूर्व सांसद कर्नल मानवेन्द्रसिंह जसोल ने सरहद समृद्धि यात्रा का तीसरा चरण शुक्रवार को विख्यात आस्था स्थल मठ ख्याला से आरम्भ की। सरहदी ग्रामीणों द्वारा मानवेन्द्रसिंह का स्वागत किया गया। सिंह ने कहा कि ये क्षेत्र मेरा अपना घर है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में किसानों के खेत राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्र में आने के कारण उनके पुश्तैनी खेतों की खातेदारी नहीं मिल रहीहै सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्र में आए खेतों की खातेदारी किसानों को मिलेगी इसके लिए मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मिलकर उन्हें समस्या की जानकारी देकर इसका समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेत के मालिक को खातेदारी नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरहद निवासी जुगतसिंह सोढा ने बताया कि पूर्व कलेक्टर गिरिराजसिँह कुशवाह द्वारा 2014 में 45 सरहदी ग्रामीणों को उनकी गेर खातेदारी खेतों की खातेदारी दिलवाई थी। कुशवाह द्वारा अधिनिस्थ अधिकारी को निर्देश दे कर ग्रामीणों के दरवाजे जा कर उन्हे खातेदारी पहुंचवाई गई थी। अब मेजर मानवेन्द्रसिंह ने जो बीड़ा उठाया है, जल्द ही वो ग्रामीणों को खातेदारी दिलाने में सफलता अर्जित कर लेंगे।

### चोरियों की वारदातों का नहीं खुलासा

**सायला**, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के आसाणा गांव में पिछले दो साल में हुई चोरी की वारदातों का खुलासा करने की मांग को लेकर शनिवार को ग्रामीणों द्वारा मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं उपखण्ड अधिकारी सूरजभान बिश्नोई के नाम तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि पिछले एक महीने के भीतर गांव में चोरी की दो बडी घटनाएं सामने आई हैं। जिसमे 16 दिसंबर 2025 को अज्ञात चोरों ने भरत कुमार सोनी के मकान और दुकान के ताले तोडकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ किया। जबकि 27 दिसंबर 2025 को उकाराम सुथार के निवास पर चोरों ने धावा बोला, जहाँ से वे सोने-चांदी के गहनों के साथ करीब 5 से 6 लाख रुपये की भारी नकदी लूट ले गए। हैरानी की बात यह है कि ये दोनों ही वारदातें गांव के बीचों-बीच मुख्य चौक पर हुईं, फिर भी पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पिछले दो वर्षों में गांव में लगभग 7-8 चोरियां हो चुकी हैं। इससे पूर्व गांव के प्रसिद्ध गोगाजी बावसी मंदिर में भी चोरी हुई थी, जिसका राज आज तक नहीं खुल पाया है। बार-बार हो रही इन घटनाओं के कारण पूरे गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

### इलेक्शन के लिए हस्ताक्षर अभियान

**सायला**, (निसं)। नगर के पुराना बस स्टैण्ड पर स्टूडेंट्स फोर वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान का चलाया गया। अभियान के जालोर जिला विधानसभा क्षेत्र संयोजक प्रशांत रावल ने बताया कि बार-बार चुनाव होने से जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पडता है। साथ ही जो पैसा जनता की सेवा में लगना चाहिए वह चुनाव में खर्च होता है। एक बार चुनाव होने से पैसे की काफी बचत होगी। हस्ताक्षर अभियान में 12 जनवरी तक जिले के सभी कॉलेज कैंपस, इंस्टिट्यूट, कोचिंग सेंटर, विश्वविद्यालयों में चलाया जाएगा। इस दौरान नैनमल लखारा, विक्रमसिंह दहिया, विजय आचार्य, सुरेन्द्रसिंह रावणा, जगदीश राजपुरोहित, महेंद्र वैष्णव, अनिता कुमारी, कविता माली, रेखा कुमारी, नेहा शर्मा, देवेश कुमार, मांगीलाल माली, कैलाश कुमार, दूदाराम आचार्य, श्रवणसिंह, शांतिलाल, विनीत प्रजापत, गणपत कुमार, हुकम सिंह, हरीश राणा, महेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

### 'मनरेगा के लिए गांव-गांव जाएगी कांग्रेस'

**जैसलमेर**, (नि.सं.)। मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अमरदीन फ़कीर ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह की सरकार ने देश के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को उनके घर के नजदीक सुलभ रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महात्मा गांधी नरेगा रोजगार गारंटी योजना लागू की थी। लेकिन वर्तमान मोदी सरकार ने इस योजना को धीरे-धीरे कमजोर करते हुए लगभग बंद कर दिया है, जो गरीब और मजदूर वर्ग के साथ अन्याय है।फकीर ने बताया कि मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत रविवार को अंबेडकर पार्क स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय उपवास रखा जाएगा। जिला प्रभारी राजेंद्र मूंढ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने के लिए गांव-गांव, घर-घर और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचेगी। पूर्व मंत्री शालेह मोहम्मद, पूर्व विधायक रूपाराम ने भी अपने विचार रखे

### छात्रसंघ चुनाव की मांग, प्रदर्शन किया

**जोधपुर**, (कासं)। प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव फिर शुरू करने की मांग को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यूनिवर्सिटी के केंद्रीय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान माहेश्वरी समाज के अधिवेशन में शामिल होकर निकल रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन सौंपने के इरादे से कार्यकर्ता आगे बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्य गेट के बाहर ही नारेबाजी शुरू कर दी। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष बबलू सोलंकी ने बताया कि भजनलाल सरकार छात्रसंघ चुनाव करवाने का नाम नहीं ले रही। आज सभी कार्यकर्ता यूनिवर्सिटी केंद्रीय कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए थे, लेकिन पुलिस ने ज्ञापन देने से रोक दिया।

# हिंदी व्याख्याता के तबादले पर भड़के विद्यार्थी, रास्ता रोका

**सायला**, (निसं)। सायला उपखंड क्षेत्र के वालेरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पदस्थापित हिंदी व्याख्याता कैलाश कुमार का तबादला बासडा धनजी किए जाने के विरोध में शनिवार को विद्यार्थियों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला जड दिया और जमकर नारेबाजी की।

जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर द्वारा जारी सूची में व्याख्याता कैलाश कुमार का तबादला वालेरा से बासडा धनजी किया गया है। शनिवार सुबह जैसे ही विद्यार्थी स्कूल पहुँचे, तो उन्हें इस बात की जानकारी मिली।

बोर्ड परीक्षाएं नजदीक होने के कारण छात्र अपने विषय अध्यापक को छोडने को तैयार नहीं थे। देखते ही देखते अभिभावक और ग्रामीण भी छात्रों के समर्थन में स्कूल के बाहर जमा हो गए और तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नेमाराम चौधरी व आरपी सुरेशचन्द्र बेनीवाल मौके पर पहुंचे।

उन्होंने छात्रों को परीक्षाओं का हवाला देकर ताला खोलने की समझाइश की, लेकिन छात्र तबादला निरस्त करने की मांग पर अडे रहे।

कई घंटों तक जब कोई उच्चाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, तो आक्रोशित छात्र और ग्रामीण स्टेट हाईवे पर उतर आए और रास्ता जाम कर दिया। इससे सडक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना पर एसआई महीपालसिंह पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचे और जाम खुलवाकर यातायात सुचारू करवाया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी और सीआई सुरेंद्रसिंह भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को काफी देर तक समझाया गया तथा व्याख्याता कैलाश कुमार के फिलहाल विद्यालय में ही बने रहने के आश्वासन के बाद छात्र शांत हुए और स्कूल का ताला खोला गया। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए इस तबादले को तुरंत निरस्त किया जाए।

# युवा सप्ताह के पेम्पलेट का विमोचन किया

**जालोर**, (कासं)। हिन्दू युवा संगठन संस्था जालोर की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर युवा सप्ताह 2026 के आयोजन को लेकर शनिवार को पेम्पलेट का विमोचन किया गया।

संस्था महामंत्री अर्जुनसिंह पंवार ने बताया कि स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर संस्था द्वारा प्रति वर्ष युवा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत वर्ष 2026 में भी युवा सप्ताह 2026 का आयोजन किया जा रहा है, जो 12 से लेकर 18 जनवरी तक चलेगा। उक्त सात दिवसीय कार्यक्रम को लेकर पेम्पलेट तैयार किया गया है।

विमोचन शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर व संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश सोलंकी के हाथों से किया गया। युवा सप्ताह के तहत 12 जनवरी को नगर परिषद स्थिति स्वामी विवेकानन्द उद्यान एवं अस्पताल चैराहे पर विवेकानन्द स्मृति स्थल पर पुष्पाजंली व वन्दे मातरम गान का आयोजन होगा। 13 जनवरी को चित्रकला प्रतियोगिता विवेकानन्द आदर्श स्कूल, राजेन्द्र नगर व खेलकुद प्रतियोगिता राघव बाल निकेतन कुम्हारो का वास, जालोर में होगा। 14 जनवरी को रक्तदान व रक्तजांच सार्वजनिक अस्पताल जालोर में होगा, 15 जनवरी को भाषण प्रतियोगिता नर्सिंग कॉलेज में होगा। 16 जनवरी को विचार गोष्ठी का आयोजन महावीर आवासीय बधिर छात्रावास में होगा। 17 जनवरी को रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता सावित्रि बाई फूले छात्रावास में होगा। 18 जनवरी को युवा सप्ताह का समापन व सम्मान समारोह जिला परिषद हॉल में होगा। उक्त सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिता व कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को समापन में सम्मानित किया जावेगा।

कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष सुरेश सोलंकी, गजेन्द्रसिंह सिसोदिया दिनेश महावर, रवि सोंलकी, अचलसिंह परिहार, मंयक देवडा रवि गहलोत महेन्द्र राठौड शेलेश दवे, दिनेश बारोट सहित कई जने उपस्थित थे।

## बैग छीनकर भागा बाइक सवार पकड़ा

**जोधपुर**, (कासं)। अणदाराम स्कूल चौराहा के पास में स्कूटी सवार महिला से लूट हो गई। बाइक सवार बदमाश युवती की स्कूटी के आगे रखा बैग झपट कर ले गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को दस्तयाब कर लिया। अग्रिम जांच के साथ ही आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि उम्मेद चौक स्थित चौहानजी का नोहरा कृष्ण मंदिर के पास रहने वाली सोनू पत्नी संतोष बंसल अपनी स्कूटी लेकर अणदाराम स्कूल चौराहा के पास से निकल रही थी। तब एक बाइक सवार बदमाश आया और स्कूटी के आगे रखा बैग झपट कर ले गया। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर उसे दस्तयाब किया है। उससे अग्रिम पूछताछ की जा रही है।

## निरीक्षण किया

**पाली**, (नि.सं.)। शिकायत विभाग की ओर से राजकीय विद्यालयों में चल रहे औचक निरीक्षण के तहत विभागीय अधिकारियों द्वारा शनिवार को राजकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया गया।

इसी क्रम में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक तेज सिंह पंवार ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुड़ा गंगा,महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कारवाड़ा, गुंडासरी, कुंडाल, चामुंडेरी राणावतान आदि विद्यालयों का निरीक्षण किया ।इस दौरान उन्होंने पोषाहार व्यवस्था, शिक्षण कार्य, प्रखर राजस्थान, पुस्तकालय, कार्मिक उपस्थिति पंजिका एवं विद्यालयों की समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षण में निरंतरता, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बात कही। इस मौके पर भोपाल सिंह, रघुवीर सिंह, संजय कुमार, निशा शर्मा, माणक चंद, जितेंद्र कुमार,विनोद परिहार,सुरेश कुमार, दीपक चौहान आदि मौजूद रहे।

# अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाना प्राथमिकता : देवासी

**रेवदर**, (निसं)। सिरोही, राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के मुख्य आतिथ्य में गोयली में शनिवार को पीएचसी भवन का शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि क्षेत्र में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिले ये उनकी प्राथमिकता है और इसमें कोई कसर नहीं छोडी जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास का काम सामूहिक प्रयासों से संपन्न होता है इसलिए ग्रामवासियों का पूर्ण सहयोग लेते हुए समय समय पर विकास कार्य करवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पीएचसी का कार्य जनभावना के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने इस दौरान पूर्व में गोयली में किए गए गौरव पथ व पानी की टंकियों आदि के कार्य के बारे में भी बताया साथ ही ये भी बताया कि पीएचसी के निर्माण कार्य के लिए लगभग 1 करोड 82 लाख का खर्च होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आगे भी विकास कार्यो के लिए सदैव सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया।

सांसद लुंबाराम चौधरी ने अपने संबोधन में पीएचसी के निर्माण के संबंध में खुशी जताते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा जो कार्य करवाए जा रहे हैं वो अभूतपूर्व है उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होंने इस दौरान प्रत्येक पात्र से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील भी की।

कार्यक्रम में अतिथियों ने वैदिक विधि विधान से पीएचसी का शिलान्यास किया। इस दौरान जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित,प्रधान हंसमुख कुमार, जिला परिषद सदस्य महेंद्र कुमार राणा,पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण सिंह सोलंकी,प्रशासक राजु कुंवर,कांतिलाल पुरोहित, शंकर लाल देवासी, नाथूराम मेघवाल, हार्दिक देवासी, नैन सिंह, तेजसिंह सोलंकी,उपखंड अधिकारी हरिसिंह देवल,विकास अधिकारी मंछाराम, सीएमएचओ डॉ दिनेश खराडी, बीसीएमओ विवेक जोशी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा ग्रामवासी उपस्थित थे।

# क्रीड़ा भारती पाली की कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

**पाली**, (नि.सं.)। क्रीड़ा भारती पाली द्वारा आयोजित कबड्डी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को राजकीय बांगड़ महाविद्यालय परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में कुल 132 टीमों ने भाग लिया।

कबड्डी प्रतियोगिता का पहला मुकाबला बुजुर्ग वर्ग एवं युवा वर्ग की टीमों के मध्य खेला गया, जिसका टॉस पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत तथा क्रीड़ा भारती पाली के पदाधिकारियों द्वारा सिक्का उछालकर किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाए रखने के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। खेलों को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए। खेलों से शारीरिक व्यायाम, सकारात्मक सोच तथा तंदुरुस्ती बनी रहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी भारतीय एवं राजस्थानी पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं तथा विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि कबड्डी हमारा पारंपरिक भारतीय खेल है, जिसने राष्ट्र एवं राज्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।, ऐसे में खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन की सीख भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पारंपरिक खेल धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं, जिन्हें संरक्षित करने के लिए क्रीड़ा भारती पाली द्वारा किया जा रहा प्रयास सराहनीय है।

क्रीड़ा भारती पाली अध्यक्ष पृथ्वीसिंह, योगेन्द्र, जनप्रतिनिधि सुनील भण्डारी, पुखराज पटेल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं क्रीड़ा भारती पाली के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## सूने मकान में चोरी

**जोधपुर**, (कासं)। शहर के अंदरूनी क्षेत्र कोलरी का मोहल्ला खांडाफलसा में एक सूने मकान में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से लाखों के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने इस बारे में केस दर्ज किया है। पुलिस ने जल्द ही प्रकरण खुलासे की बात की है। चोरी गए सामान का ब्यौरा पुलिस ने फिलहाल नहीं बताया है।

खांडा फलसा पुलिस के अनुसार कोलरी मोहल्ला जैन मंदिर के सामने हाल शोभावतों की ढाणी अशोक नगर मंगलम कॉलोनी में रहने वाले अनिल पुत्र सूरज प्रकाश सोनी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका एक पैतृक मकान भीतरी शहर कोलरी मोहल्ला में है। 8 जनवरी की रात को इसमें चोरी हो गई। अज्ञात चोर लाखों के जेवरात नगदी चोरी कर ले गए। पुलिस ने बताया कि मामले में सुराग हाथ लगा है।

## बालिकाओं के लिए शौचालय बने

**जोधपुर**, (कासं)। श्री गुमान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रोका में एचपीसील मित्तल एनर्जी द्वारा बालिकाओं के लिये करीब 5 लाख की लागत से 4 यूरिनल 2 शौचालय का निर्माण किया गया।

कंपनी के अधिकारियों ने आज कार्य पूरा कर प्रधानाचार्य विजय सिंह राठौड़ कोबालिकाओ के उपयोग के लिये सौपा। प्रधानाचार्य विजय सिंह राठौड़ व समस्त स्टॉफ सहित शाला परिवार के बच्चों ने एचपीसीएल के अधिकारियों का आभार जताया।

## ठगी का मामला

**जोधपुर**, (कासं)। प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र संजय गांधी कॉलोनी में रहने वाले एक युवक से ऑनलाइन ट्रेडिंग कारोबार करने के नाम पर 4.20 लाख की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित ने दो लोगों को नामजद कर रिपोर्ट दी है।

पुलिस ने बताया कि संजय गांधी कॉलोनी निवासी नरेंद्र पुत्र ओमप्रकाश चौहान ने यह रिपोर्ट दी।

# पोलो टूर्नामेंट का फाइनल आज

**जोधपुर**, (नि.सं.)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, लेफ्टिनेंट जनरल पीवीएसएम, एवीएम एच.एच. महाराजा उम्मेदसिंह जी एयरपोर्ट रोड़, पाबूपुरा में चल रहे 26वें जोधपुर पोलो सीजन 2025 में शनिवार 10 जनवरी को राजपूताना एण्ड सेन्ट्रल इण्डिया कप (8 गोल) टूर्नामेंट के तहत खेले गये सेमीफाइनल मैचों में पहला मैच दोपहर 2 बजे ऑप्टिमस अचीवर्स व क्राईसिल/सुहाना टीमों के बीच व दूसरा मैच जोधपुर व नेवी पोलो सेन्ट्रल एकेडमी टीमों के बीच दोपहर 3.00 बजे खेला गया। पहले मैच में अचीवर्स टीम ने तीन के मुकाबले चार गोल कर व दूसरे मैच में जोधपुर ने तीन के मुकाबले नौ गोल कर छह गोल के अन्तर से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

मैच के दौरान जोधपुर पोलो के मुख्य संरक्षक पूर्व महाराजा गज सिंह जी व युवराज शिवराज सिंह, युवरानी गायत्री राज्ये, भंवर बाईजीलाल वारा राज्ये तथा राज भंवर सिराज देव मैदान में उपस्थित थे। भंवर सिराजदेव ने दूसरे मैच की पहली गेंद फेंककर खेल की विधिवत् शुरुआत करवायी।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के मानद सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि पहले सेमीफाइनल में अचीवर्स टीम की ओर से खेलते हुए टीम के विदेशी खिलाड़ी छह हैण्डीकेप के अलेजो आर्मबुरु ने पहले, दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल व साथी खिलाड़ी चार हैण्डीकेप के सैय्यद शमषेर अली ने दूसरे चक्कर में एक गोल किया।

मुकाबले में क्राईसिल/सुहाना टीम की ओर से खेलते हुए टीम के छह हैण्डीकेप के ही विदेशी खिलाड़ी मथायल व्याल ने पहले, दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल किया। दोनों ही टीमों के बीच चौथे चक्कर में कोई गोल नहीं किया गया।

उन्होंने बताया कि दूसरे सेमीफाइनल में नेवी पोलो टीम के चार हैण्डीकेप के अर्जेन्टीना के खिलाड़ी डेनियल ओटामेंडी ने पहले चक्कर में एक व तीसरे चक्कर में दो गोल किए। मुकाबले में जोधपुर टीम के चार हैण्डीकेप के अर्जेन्टीना के खिलाड़ी जरार्डो मजीनी ने पहले व चौथे चक्कर में एक-एक गोल व दूसरे चक्कर में दो गोल किए।

साथी खिलाड़ी दो हैण्डीकेप के धुरवपाल गोदारा ने पहले चक्कर में एक व दूसरे चक्कर में दो गोल तथा धनन्जयसिंह राठौड़ ने पहले चक्कर में व दो हैण्डीकेप के खिलाड़ी हैदराबाद के सलीम आजमी ने चौथे चक्कर में एक-एक गोल किया।

दोनों ही मैचों के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्कोर्टीचीनी व उदय कलान थे, पहले मैच के रैफरी नवीन सिंह व दूसरे मैच के रैफरी अंगद कलान रहे। मैच की कॉमेन्ट्री राजवी शैलेन्द्र सिंह व सिद्धार्थ सिंह रोहिट ने संयुक्त रूप से की।

रविवार 11 जनवरी को राजपूताना एण्ड सेन्ट्रल इण्डिया कप (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल जोधपुर व ऑप्टिमस अचीवर्स टीमों के बीच दोपहर 3.00 बजे खेला जायेगा।

## सार-समाचार

### लखावत ने पैनोरमा का अवलोकन किया

**जालोर**,(नि.सं.)। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने शनिवार को प्रातः भीनमाल पहुंच महाकवि माघ तथा गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त पैनोरमा का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा कॉलेज, स्कूल के छात्र - छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से महाकवि माघ तथा महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त के जीवन दर्शन, कार्यो की जानकारी देने की बात कही। उहोंने कहा कि महाकवि माघ तथा गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त हमारी महान ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत है। इनके लिखे ग्रंथों से हमे प्राचीन भारतीय काव्य तथा विज्ञान की जानकारी मिलती है। वही राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने इससे पहले शनिवार सुबह जिला मुख्यालय पर पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक जालोर परिसर में वीरमदेव कान्हडदेव चौहान पैनोरमा के निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने पैनोरमा निर्माण के छत निर्माण कार्य का अवलोकन कर गुणवत्ता पूर्ण निर्माण व मजबूत स्ट्रक्चर बने इस पर विशेष ध्यान की बात कही। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय पर लगभग चार करोड लागत से भव्य वीर वीरमदेव कान्हडदेव चौहान पैनोरमा का निर्माण किया जाएगा।

### केंद्रीय गृह मंत्री व मुख्यमंत्री का स्वागत

**जोधपुर**, (कासं)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे यहां पहुंचे। उनके जोधपुर आगमन पर एयरफोर्स स्टेशन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका स्वागत किया।इससे पहले मुख्यमंत्री शुक्रवार रात करीब 10 बजे ही अपने दो दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंच चुके थे। इस दौरान केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शाह के स्वागत में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों का हुजूम उमड़ पड़ा। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार रात करीब 10 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत की अगुआई में उनका स्वागत किया गया। गृह मंत्री शाह के स्वागत में सीएम शर्मा संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी और शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल भी शामिल रहे। इनके अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, पूर्व राज्यमंत्री प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़, मेघराज लोहिया, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी, ज्योति ज्याणी, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलेक्टर गौरव अठावाल और पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश सहित कई अधिकारियों ने भी अगवानी की।

### हिंदू सम्मलेन की तैयारी पर चर्चा

**रेवदर**, (निसं)। रेवदर के निकट भटाना कस्बे के आदर्श विधा मंदिर माध्यमिक में शनिवार को बैठक रखी गई। राष्टीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन की तैयारी व व्यवस्थाओं को लेकर भटाना मंडल की बैठक हुई। इसमें हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से जुडे लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और स्वयंसेवक शामिल - हुए। सम्मेलन के उद्देश्य और स्वरूप पर चर्चा की। आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, कार्यक्रम न की रूपरेखा और संचालन से जुडे बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। सर्वसम्मति से हिंदू सम्मेलन की तिथि तय की, जिसकी औपचारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि सम्मेलन समाज में एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता को मजबूत करेगा। सम्मेलन को सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर जोर दिया गया। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी।

### क्षितिज खेल महोत्सव का आयोजन हुआ

**जोधपुर**, (कासं)। जोधपुर स्थित डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज में 9 एवं 10 को क्षितिज खेल महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट का आयोजन बैच 023 द्वारा किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल महोत्सव के दौरान क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, कबड्डी एवं लॉन टेनिस के मुकाबले खेले गए। सभी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। क्रिकेट मैच में बैच 022 ने बैच 023 को 6 विकेट से हराया।लॉन टेनिस में बैच 024 ने बैच 020 को 6-4 से विजय प्राप्त की। फुटबॉल प्रतियोगिता में बैच 021 ने बैच 020 को 5-3 से पराजित किया। वहीं बैडमिंटन में बैच 023 ने बैच 024 को 21-17 से हराया। कबड्डी मुकाबले में बैच 025 ने बैच 021 को 21-14 से हराया।

### घनश्याम ओझा को सांत्वना दी

**जोधपुर**, (कासं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जोधपुर में लघु उद्योग भारती के निवर्तमान अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर घनश्याम ओझा के निवास पर पहुंचे तथा उनकी स्वर्गीय धर्मपत्नी शांति देवी ओझा को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया व शोक संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, विधायक अतुल भंसाली, देवेंद्र जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# अब नए कानून में रोजगार की कोई गारंटी नहीं : रमिला मेघवाल

**जालोर** , (कासं)। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा ग्रामीण आजीविका पर निर्णय को देखते हुये जिला कांग्रेस कमेटी जालोर ने मनरेगा बचाओ संग्राम जन आंदोलन के तहत 10 जनवरी को दोपहर 2 बजे राजीव गांधी भवन जालोर में अभियान के शुभारम्भ के लिए प्रेस वार्ता आयोजित की।

प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी सुमन यादव ने कहा कि नया वीबी-ग्राम-जी अधिनियम इस पूरे ढांचे से एक मौलिक विचलन है। यह काम की वैधानिक गारंटी को समाप्त करता है, निर्णय प्रक्रिया का केन्द्रीकरण केन्द्र सरकार के हाथों में करता है, ग्राम सभाओं और पंचायतों को कमजोर करता है तथा केन्द्र के मजदूरी अंशदान को लगभग 90 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर देता है, जिससे वित्तीय बोझ राज्यों और श्रमिकों पर डाल दिया जाता है। कार्यक्रम से महात्मा गांधी के नाम को हटाया जाना भी श्रम की गरिमा और ग्राम स्वराज के उन मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास दर्शाता है जिन पर मनरेगा आधारित है।

जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल ने कहा कि मनरेगा ने पहले केंद्र का 90 प्रतिशत एवम राज्य का 10 प्रतिशत हिस्सा रहता था अब नए कानून के तहत यह हिस्सेदारी केंद्र की 60 एवम राज्य की 40 प्रतिशत हो चुकी हैं। अब नए कानून में रोजगार की कोई गारंटी दिख नही रही हैं।

पुखराज पाराशर पूर्व अध्यक्ष जन अभियोग निराकरण समिति, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, उम सिंह राठौड, जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत, संगठन महासचिव वीरेंद्र जोशी, लक्ष्मण सिंह सांखला, बसंत सुथार, रमेश सोलंकी, महेन्द्र सोनगरा उपस्थित थे।

वहीं जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आज दोपहर 3 बजे वरिष्ठ कांग्रेस नेता शहजाद अली सैय्यद के निधन होने पर श्रदांजलि सभा का आयोजन राजीव गांधी भवन जालोर में रखा गया। समस्त कांग्रेसजन ने शहजाद अली सैय्यद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रदांजलि दी साथ ही दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें याद किया गया। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात कांग्रेसजन उनके निवास स्थान पर गये एवम शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी सुमन यादव, पुखराज पाराशर पूर्व अध्यक्ष जन अभियोग निराकरण समिति, जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, सवाराम पटेल,उम सिंह राठौड,जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत, संगठन महासचिव वीरेन्द्र जोशी,ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, केलाश शर्मा,रमेश सोलंकी, लक्ष्मण सिंह सांखला, बसंत सुथार, गीताश्री मेघवाल, लाल सिंह राजपुरोहित, पीर सिंह मालपुरा, पुखराज मेघवाल निम्बला,महेन्द्र सोनगरा, जोगाराम सरगरा, सुरेश चौधरी, नवीन मेवाडा, ओमप्रकाश चौधरी सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। – **शुभमन गिल**

**भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी ▶**

## नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

**क्या आप जानते हैं ?...** रोहित शर्मा के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। हिटमैन ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में अकेले रिकॉर्ड 264 रन बनाए थे।

## ओलंपियन दविंदर सिंह गरचा का निधन

जालंधर 10 जनवरी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी का हिस्सा रहे विजेता दविंदर सिंह गरचा का शनिवार को निधन हो गया। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी इकबाल सिंह संधू ने दविंदर सिंह के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि उनके अंतिम संस्कार की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के सभी सदस्यों ने शोकाकुल परिवार के सदस्यों के साथ संवेदना प्रकट करते हुए भगवान से प्रार्थना की कि इस अपूरणीय क्षित को सहने की हिम्मत और शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। सात दिसंबर 1952 को जन्मे गरचा उस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने 1980 के समर ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल छह ओलंपिक मैचों में आठ गोल किए थे और सिर्फ तीन टूर्नामेंट खेलकर 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 19 गोल किए थे। वह मशहूर मोहिंदर सिंह मुंशी हॉकी टूर्नामेंट के अध्यक्ष थे।

## फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत पहुंची, दिल्ली में इसका अनावरण किया

नई दिल्ली, 10 जनवरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची , इसका अनावरण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की मौजूदगी में किया। फीफा वर्ल्ड कप 12 साल बाद ट्रॉफी टूर पर भारत लौटा है, इसे दो दिनों तक दिल्ली में रखा जाएगा और उसके बाद इसे भारत से जाने से पहले एक दिन के लिए गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक करेंगे, यह इस चार साल में होने वाले इवेंट का 23वां एडिशन होगा।

## हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वस्त्रकर दो हफ्ते के लिए डब्ल्यूपीएल से बाहर

नई दिल्ली 10 जनवरी। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले दो हफ्ते नहीं खेल पाएंगी। आरसीबी ने 2026 सीजन का अपना पहला मैच शुक्रवार रात को खेला, जिसमें उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) को एक रोमांचक आखिरी ओवर में तीन विकेट से हराया। आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है।

# पहले वनडे में भारत को न्यूज़ीलैंड से मिलेगी कड़ी चुनौती

वडोदरा, 10 जनवरी। भारत का न्यूज़ीलैंड के साथ घरेलू हालात में खेलना, खासकर वनडे फ़ॉर्मेट में, एक तरह से जाना-पहचाना एहसास है। रविवार को कोटाम्बी स्टेडियम में दोपहर 1.30 बजे शुरू होने वाला पहला वनडे , भारत को यह दिखाने का एक और मौका देगा कि वे अपनी जमीन पर इतनी मजबूत ताकत क्यों रहे हैं। न्यूज़ीलैंड को भारत का अपना पिछला वनडे दौरा ज़्यादा याद नहीं रहेगा। 3-0 से व्हाइटवॉश ने अपनी कहानी खुद बयां की, और यह पैटर्न जारी रहा, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच पिछले पांच वनडे में से हर एक जीता। नंबर झूठ नहीं बोलते, और क्रिकेट में, वे अक्सर पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही कहानी बता देते हैं।

भारत इस सीरीज में एक मजबूत होम रन के दम पर आ रहा है। हाल ही में चार घरेलू वनडे सीरीज जीत चमक के बजाय कंसिस्टेंसी की बात करती हैं। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ, भारत ने दम और मैच्योरिटी दोनों दिखाई – दो बार 300 पार किया और फिर आखिरी मैच में नौ विकेट हाथ में रहते हुए शांति से 271 का टारगेट चेज किया। इस तरह का परफॉर्मेंस बताता है कि बैटिंग यूनिट को पता है कि कब अटैक करना है और, इससे भी जरूरी बात, कब पीछे हटना है।

विराट कोहली, एक बार फिर डटे रहे। उस सीरीज़ में उनके 302 रन, जिसमें दो सेंचुरी और एक नाबाद हाफ सेंचुरी शामिल थी, यह याद दिलाते हैं कि क्लास, जब भूख के साथ मिल जाए, तो खतरनाक चीज होती है। कोहली उन फेज में से एक में दिखते हैं जहां दिमाग के फैसला करने से पहले ही बल्ला बीच में आ जाता है।

भारत को वनडे वाइस-कैप्टन श्रेयस अय्यर की वापसी से भी बढ़ावा मिला है, जो स्प्लीन इंजरी से ठीक होकर वापस आए हैं। उनकी मौजूदगी मिडिल ऑर्डर को मजबूती देती है, जो शुरुआती विकेट गिरने पर बहुत कीमती हो जाती है। मोहम्मद सिराज की वापसी से पेस अटैक मजबूत हुआ है, जबकि शुभमन गिल के शामिल होने से भारत को टॉप और मिडिल में एलिगेंस और भरोसा दोनों मिला है।

हालांकि, न्यूज़ीलैंड सिर्फ़ नंबर बनाने के लिए नहीं आ रहा है। 2025 में भारत से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल हारने के बाद से, उन्होंने चुपचाप मोमेंटम बनाया है, और अपने पिछले नौ वनडे में बिना हारे रहे हैं। पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ लगातार तीन 3-0 की सीरीज जीत ने उन्हें इस टूर से पहले कॉन्फिडेंस दिया है, भले ही पक्का नहीं। डेवोन कॉनवे का फॉर्म विज़िटर्स का हौसला बढ़ाएगा।

## टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए वाजिब वक्त मिलना जरूरी : गिल

वड़ोदरा, 10 जनवरी। बीते साल भारत ने 28 सितंबर को दुबई की सरजमीं पर एशिया कप का फ़ाइनल मुक़ाबला खेला और महज चार दिनों के अंतराल के बाद, 2 अक्तूबर से वेस्टइंडीज के विरुद्ध अपनी घरेलू टेस्ट सीरीज का आग़ाज किया। यही सिलसिला आगे भी जारी रहा; टीम ने 8 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया में अपना अंतिम टी20 मैच खेला और फिर 14 नवंबर को अपनी सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट मैच खेलने उतरी। इस टेस्ट सीरीज में भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 से शर्मनाक क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का यह तर्क है कि बीसीसीआई को भविष्य में ऐसे व्यस्त कार्यक्रमों से परहेज़ करना चाहिए, विशेष रूप से टेस्ट सीरीज से ठीक पहले, जब खिलाड़ियों को सीमित ओवरों के क्रिकेट से लाल गेंद के प्रारूप में ढलने के लिए वक़्त की जरूरत होती है। शनिवार को वड़ोदरा में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ भारत

के पहले वनडे की पूर्व संध्या पर गिल से पूछा गया कि क्या बीसीसीआई ने उनसे टेस्ट क्रिकेट में सुधार को लेकर कोई सुझाव मांगा था।

गिल ने मसले पर अपनी बात रखते हुए कहा, ''एक अहम सुझाव जिस पर मैं विशेष रूप से ज़ोर दे रहा था, वह यह है कि अगर आप हमारी पिछली दो टेस्ट सीरीज पर गौर करें, तो हमें तैयारी के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाया। किसी दूसरे मुल्क में मुक़ाबला खेलने के महज चार दिन बाद भारत आकर मैदान पर उतरना आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब आप एक लंबे और थका देने वाले दौरे से वापस लौट रहे हों।'' ''मेरा मानना है कि अगर हम दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ वह सीरीज जीत भी जाते, तब भी हक़ीक़त यही रहती कि तैयारी के लिहाज से हम पीछे थे। हम सब वाक़िफ़ हैं कि दुनिया के किसी भी कोने में टेस्ट मैच फतह करने के लिए सही तैयारी कितनी लाजमी है। निजी तौर पर मेरे लिए तैयारी बहुत मायने रखती है, और मुझे महसूस हुआ कि ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद, या एशिया कप के तुरंत बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज से पहले हमारे पास तैयारी का वाजिब समय नहीं था।''

''मेरा यह स्पष्ट मत है कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए कम से कम थोड़ा वक़्त ज़रूर मिलना चाहिए, ख़ास तौर पर तब जब व्हाइट बॉल फ़ॉर्मेट से रेड बॉल क्रिकेट में तालमेल बिठाना हो। यह एक ऐसा गंभीर मसला था जिसे लेकर मैं काफ़ी संजीदा था, और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी टेस्ट सीरीज का आग़ाज करने से पहले टीम बेहतर तरीक़े से तैयार हो सके।''

## चार बल्लेबाजों के अर्द्धशतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने बनाये 374/8

बुलावायो, 10 जनवरी। वैभव सूर्यवंशी (96), विहान मल्होत्रा (77), ऐरन जॉर्ज (61) और अभिज्ञान कुंडु (55) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप अभ्यास मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 374 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां टॉस जीतकर स्कॉटलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की अंडर-19 के लिए आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करे हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। सातवें ओवर में ओली जोन्स ने आयुष म्हात्रे 19 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। भारत का दूसरा विकेट 17वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रूप में गिरा, जब वह शतक से महज चार रन पीछे थे। उन्हें मनु सारस्वत ने आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों में नौ चौके और सात छक्के लगाते हुए 96 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में जॉर्ज कटलर ने ऐरन जॉर्ज 58 गेंदों में (61) को अपना शिकार बना लिया।

## सेमीफाइनल में हारी सिंधु, टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त

कुआलालंपुर (मलेशिया), 10 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शनिवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ सीजन के पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गये सेमीफाइनल में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में नंबर 18 पर मौजूद पीवी सिंधु महिला एकल में दूसरे नंबर पर मौजूद चीन की वांग झेई से 21-16, 21-15 से हार गईं। पहला गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती पलों में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। लेकिन पीवी सिंधु की बिना वजह की गलतियों ने वांग झेई को 14-14 से आगे बढ़कर 18-14 की बढ़त बनाने का मौका दिया और फिर उन्होंने जीत के साथ गेम खत्म कर दिया। दूसरे गेम की शुरुआत में वांग झेई ने थोड़ी बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मिड-गेम ब्रेक में 11-6 की बढ़त ले ली। ब्रेक के बाद वांग झेई ने फिर से वापसी की, क्योंकि सिंधु की कई बिना वजह की गलतियों ने चीनी शटलर को मैच में पकड़ बनाने का मौका दिया और उन्होंने सीधे गेम में मैच खत्म कर दिया। यह वांग झेई के खिलाफ छह मैचों में पीवी सिंधु की तीसरी हार है। सिंधु की हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। पीवी सिंधु, बाकी भारतीय दल के साथ मंगलवार को इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले इंडियन ओपन 2026 में एक्शन में दिखेंगी। वह पहले राउंड में वियतनाम की गुयेन थुय लिन्ह से भिड़ेंगी।

## पीठ की चोट के कारण फोन्सेका एडिलेड में नहीं खेल पाएंगे

एडिलेड, 10 जनवरी। जोआओ फोन्सेका ने एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस लेने के बाद अपने 2026 सीजन की शुरुआत और टाल दी है। 19 साल के ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने पिछले हफ़्ते पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था, और अब वह इसी वजह से एडिलेड में एटीपी 250 में भी नहीं खेलेंगे। फोन्सेका ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल पा रहा हूँ। यह फ़ैसला लेना मुश्किल है। मुझे लगा कि जिन दिनों हम प्रैक्टिस कर रहे थे, हर दिन थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि मैं सौ प्रतिशत ठीक हूँ। उन्होंने कहा, ''हम ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए सौ प्रतिशत ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो हमारा मुख्य लक्ष्य है। वह फ़ैसला अभी नहीं लिया गया है। हम खेलना चाहते हैं, हमें लगता है कि यह संभव होगा। इसलिए हम रिकवरी पर ध्यान देना चाहते हैं, और दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल सका, और मुझे उम्मीद है कि अगले साल और मजबूत होकर वापस आऊँगा।'' एटीपी रैंकिंग में नंबर 29 पर मौजूद फोन्सेका अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए मेलबर्न जाएंगे, जहां उन्होंने 2025 में अपने पहले इवेंट में बड़ा प्रभाव डाला था।



# राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने किया पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण

## आरआईसी में आयोजित समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़े सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव

**जयपुर।** विश्व हिंदी दिवस के पावन अवसर पर सिविल लाइंस विधायक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा की नई पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण शनिवार को राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), झालाना में आयोजित समारोह में किया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक की भूमिका राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने लिखी थी। पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख मुलाकातें, राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं।

समारोह को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने आशीर्वचनों से सम्मानित किया, जबकि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी बात रखी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी समारोह को संबोधित किया। विधायक गोपाल शर्मा ने स्वागत उद्बोधन के साथ पुस्तक में शामिल साक्षात्कारों से जुड़े संस्मरण साझा किए। अमर शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व पद्मअनवर खां मांगणियार ने अपने साथियों के साथ सूफी भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी।

राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने हिंदी दिवस के पावन अवसर पर ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण किया।

■ **पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं**

**गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन प्रेरणास्त्रोत : राज्यपाल बागडे**

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विधायक गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन आदर्श पूर्ण रहा है, जो कि नए पत्रकारों के लिए एक संबल भरा मार्गदर्शन और प्रेरणास्त्रोत है। इन्होंने अपने पत्रकारिता के दौरान उस दौर के सभी राजनीतिक दिग्गजों, सामाजिक और अति विशिष्ट व्यक्तियों से मिलकर जो उनके साक्षात्कार किए, वे बहुत सराहनीय हैं। कई साक्षात्कार तो ऐसे हैं जिनसे मुलाकात के बारे में सोचना भी उस वक्त कठिन था। राज्यपाल ने पत्रकारिता में साक्षात्कार विधा को समय के दस्तावेज बताते हुए कहा कि साक्षात्कार वही सार्थक होते हैं, जिनमें लेने और देने वाला दोनों ही विषय और सामयिक संदर्भों के मर्मज्ञ हों। उन्होंने विश्वास जताया कि गोपाल शर्मा की लिखी पुस्तक से पाठक लाभान्वित होंगे।

# 'आदेश की पालना करो, वरना वीसी हो हाईकोर्ट में पेश'

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद विश्वविद्यालय कर्मचारी को बकाया भुगतान नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि आगामी सुनवाई तक अदालती आदेश की पालना की जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने रजिस्ट्रार न्यायिक को कहा है कि वह आदेश की प्रति वीसी कार्यालय में तत्काल भेजें, ताकि आदेश की पालना सुनिश्चित की जा सके। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राजकुमार वर्मा की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ **अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं**

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने पेश होकर अदालत को बताया कि उसकी ओर से अपनी सेवा के नियमितीकरण और उससे जुडे लाभ के लिए याचिका दायर की थी। जिसके एकलपीठ ने 26 नवंबर, 2021 को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता को नियमित करने को कहा था। इस आदेश के खिलाफ विवि प्रशासन ने खंडपीठ में अपील दायर की थी। खंडपीठ ने 28 मार्च, 2022 को अपील का निस्तारण करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता की सेवा को उस दिन से नियमित माना जाए, जिस तिथि से उससे कनिष्ठ कर्मचारियों को नियमित किया गया था। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ के आदेश की पालना में विवि ने उसकी सेवा को नियमित कर दिया, लेकिन संपूर्ण वित्तीय लाभ और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। ऐसे में अदालती आदेश की अवमानना करने वाले अधिकारियों को दंडित करते हुए आदेश की पालना कराई जाए। वहीं विवि की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के संबंध में वित्तीय स्वीकृति का मामला राज्य सरकार के समक्ष लंबित है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आगामी सुनवाई तक आदेश की पालना नहीं करने पर विवि के कुलगुरु को वीसी या व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा है।

# मानसरोवर दुर्घटना दुखद, समाज में जागरूकता आवश्यक : मदन राठौड़

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मानसरोवर क्षेत्र में हुई दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि इस हादसे में निर्दोष लोग घायल हुए हैं तथा जनहानि भी हुई है। सरकार द्वारा मामले की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी लेकिन ऐसी घटनाएं अत्यंत दुखद हैं और इन पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में भी जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को तेज गति से वाहन नहीं चलाना चाहिए। समय प्रबंधन के साथ सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता देना जरूरी है। कानून अपना काम करेगा, इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, महामंत्री भूपेंद्र सैनी सहित भाजपा पदाधिकारियों ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर घायलों से कुशलक्षेम जानी और चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

■ **आरएसएस के प्रातः स्मरण में भी महात्मा गांधी को किया जाता है याद, कांग्रेस ने गांधी के नाम पर सेंकी राजनीतिक रोटियां : मदन राठौड़**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महात्मा गांधी जी का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी जी के नाम पर राजनीतिक लाभ लिया। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा था कि कांग्रेस एक आंदोलन है, और देश आज़ाद होने के बाद इस आंदोलन को समाप्त कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस के मूल स्वरूप को समाप्त कर दिया गया। पहले दो बैलों की जोड़ी का चुनाव चिन्ह था, फिर गाय-बछड़ा, और अब हाथ का पंजा- यह किस विचारधारा की कांग्रेस है, यह सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रात: स्मरण में भी महात्मा गांधी सहित महापुरूषों को स्मरण किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम गांधीवादी समाज को मानते हैं, लेकिन गांधी के नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने का विरोध करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वीबी जी – राम जी (विकसित भारत – गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन – ग्रामीण) योजना पर बोलते हुए कहा कि यदि योजना के नाम में राम का नाम आता है, तो उस पर आपत्ति क्यों की जा रही है।

## पावटा में फ्लाईओवर के लिए टीम ने जायजा लिया

**पावटा।** दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पावटा कस्बे में बढ़ ते जाम से निजात दिलाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर फ्लाईओवर व अंडरपास निर्माण की मांग की है। शर्मा ने पत्र में बताया कि पावटा उपखण्ड मुख्यालय पर राजमार्ग निर्माण के दौरान पूर्व में एक अत्यंत छोटा अंडरपास बनाया गया था। संकीर्ण निर्माण के चलते प्रतिदिन भारी जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे कस्बे का सामान्य आवागमन प्रभावित रहता है।

## जन स्वास्थ्य मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

**जयपुर।** जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन तहसील मुख्यालय के ग्राम पंचायत जसराना में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए ।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा प्रभारी मंत्री के समक्ष ग्राम पंचायत एवं ढाणियों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन,सड़क निर्माण, रास्ते पर अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन,राजकीय विद्यालय के लिए भूमि सहित अन्य परिवाद प्रस्तुत किये। जिनकी सुनवाई कर प्रभारी मंत्री चौधरी ने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगजनों को व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को पीपीओ प्रमाण पत्र, स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को पट्टे एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति सहित अन्य लाभ प्रदान किये।

इस दौरान प्रभारी मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों से संवाद कर राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं वीबी- जी रामजी के बारे जानकारी दी।

# अमित शाह ने मुख्यमंत्री की पीठ थपथपाई, पेपर लीक समाप्त करने की प्रशंसा की

## केन्द्रीय गृह मंत्री ने आरपीए में आयोजित समारोह में आठ हजार नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्त पत्र दिए

जयपुर, 10 जनवरी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पारदर्शी तरीके से लोकसेवकों की भर्ती करने से ही कोई प्रदेश आगे बढ़ सकता है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार का पेपरलीक का सिलसिला खत्म कर राजस्थान को इससे निजात दिलाई है। उन्होंने कहा कि हमारी राज्य सरकार भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रखते हुए भ्रष्टाचार का उन्मूलन और योग्यता का सम्मान करते हुए राजस्थान के युवाओं को 'बिना सिफारिश और बिना खर्चे' के नौकरी दे रही है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान कालखंड देश की आज़ादी के बाद का अभूतपूर्व कालखंड है, जिसमें देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का मजबूत व कुशल नेतृत्व मिल रहा है।

*केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को आरपीए में आयोजित कांस्टेबल नव नियुक्ति समारोह को संबोधित किया।*

शाह शनिवार को आरपीए में कांस्टेबल नव नियुक्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी कानून व्यवस्था से ही प्रदेश का विकास संभव है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पेपरलीक पर रोक लगाने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को पूरे देश में निवेश का अग्रणी राज्य बनाने का काम भी किया है। इसी का परिणाम है कि आज देशभर के निवेशक राजस्थान की ओर आने की स्पर्धा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान कालखंड देश की आजादी के बाद का अभूतपूर्व कालखंड है, जिसमें देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मजबूत और कुशल नेतृत्व मिल रहा है। धारा 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ते हुए देश की एकता एवं अखंडता को मजबूती देने का काम किया गया। शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद का सफाया करते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने का काम किया।

शाह ने कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से 10 आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में 8 हजार से अधिक आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इससे पहले उन्होंने भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में बने मल्टी परपज इंडोर हॉल का वर्चुअल लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित जनप्रतिनिधिगण, पुलिस अधिकारीगण, बड़ी संख्या में नव नियुक्त कांस्टेबल एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

# पुणे निगम चुनाव के लिए सुप्रिया व अजित पवार ने संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया

मुंबई, 10 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजीत पवार और राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शनिवारको पुणे के शिवाजीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में आगामी नगर निगम चुनावों के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस संयुक्त घोषणापत्र में पुणे में मुफ्त मेट्रो और बस यात्रा का वादा किया गया है।

- भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के सदस्य होने के बाद भी अजित पवार ने केन्द्र व राज्य सरकार की आलोचना की

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, ''पुणेवासी सवाल कर सकते हैं कि क्या मुफ्त मेट्रो और बस यात्रा संभव भी है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह संभव है। हमने विशेषज्ञों से बात करने के बाद इस बारे में फैसला किया है। हम पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के निवासियों को मुफ्त मेट्रो रेलवे और बस यात्रा प्रदान करेंगे।''

घोषणापत्र में पुणे नगर निगम के स्कूलों के छात्रों को मुफ्त टैबलेट देने के साथ-साथ पुणे में 150 मॉडल स्कूल स्थापित करने का वादा किया गया है।

लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, ''पुणे के पांच साल के विकास का मुद्दा हमारे सामने है। मुफ्त यात्रा प्रदान करना संभव है। क्योंकि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के प्रशासन में कुछ गलतियां हैं, जिन्हें दूर किया जाएगा।''

# देवली में तीन करोड़ रूपए का गांजा जब्त

देवली/टोंक, (निसं)। टोंक की डिस्ट्रिक्ट स्पैशल टीम (डी.एस.टी.) ने ट्रक में ले जाया जा रहा करीब तीन करोड़ रुपये का गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

देवली पुलिस थाना प्रभारी दौलतराम गुर्जर ने बताया कि टोंक डीएसटी टीम ने देवली शहर के हाईवे 52 पर नाकाबंदी करके एक ट्रक की तलाशी लेते समय गांजे की बड़ी खेप बरामद की है। जब्त किए गए गांजे की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।

पुलिस ने बताया कि पुलिस ने तस्करों को दबोचते हुए 500 किलो गांजे से भरा 12 चक्का ट्रक जब्त किया है। देवली पुलिस थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर ने यह भी बताया कि इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, पुष्पेंद्र सोलंकी और डीएसपी हेमराज के सुपरविजन में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश की टीम ने देवली हाईवे पर घेराबंदी की थी। इसी के चलते पुलिस को देखते ही तस्करों ने ट्रक को टोंक की ओर भगाकर ले जाने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा करके देवली डीएसपी ऑफिस के सामने ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस टीम ने मौके से चालक हरिनारायण, पुत्र हीरालाल मीणा, निवासी दाता ढाणी थाना देवली व समीर मीणा पुत्र रामकिशन, निवासी बासनी थाना हिण्डोली जिला बूंदी को गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने नाकाबंदी कर उड़ीसा से आ रहे ट्रक में 500 किलो गांजा पकड़ा।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने गांजा उड़ीसा के चांदीपुर से लाना तथा हनुमानगर देवली में सप्लाई देना बताया, जिसके बाद छोटे सप्लायर के माध्यम से भीलवाड़ा, बून्दी, केकड़ी, देवली, दूनी, घाड, टोडारायसिंह, मालपुरा, डिग्गी, टोंक में नशे की सप्लाई की जानी थी।

# ईरान में खामनेई विरोधी प्रदर्शनकारियों पर मशीनगन से गोलियां चलाईं

## गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारी मारे गये, सरकार विरोधी आंदोलन और उग्र हुआ

तेहरान, 10 जनवरी। तेहरान में ईरान सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में हिंसा बढ़ गई है। प्रदर्शन उग्र होता देख ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने का आदेश दे दिया। इस गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।

- अगर मृतकों की संख्या की सही पुष्टि हो जाती है, तो यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी चुनौती होगी, क्योंकि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि सरकार 28 दिसंबर से सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारियों को मारती है, तो उसे इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

दरअसल, एक स्थानीय डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर टाइम पत्रिका को बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज हुई है। इसमें अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। प्रदर्शनकारियों की मौत को लेकर स्थानीय डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में अधिकतर युवा थे, जिनमें उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर मशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग करने के दौरान मारे गए कई लोग शामिल थे। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वाशिंगटन डीसी स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी, जो सिर्फ पहचाने गए पीड़ितों की गिनती करती है, उसने विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत से अब तक कम से कम 63 मौतों की पुष्टि की है।

# ईडी सुप्रीम कोर्ट ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अपने कर्तव्यों का पालन कर रही थी।

हैरानी की बात यह है कि ईडी ने राज्य की सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज करने का प्रयास नहीं किया, बल्कि अपेक्षाकृत मामूली राहतें ही मांगीं-जैसे एजेंसी को अपना काम करने देने की अनुमति। केन्द्र सरकार ने भी बेहद नरम रुख अपनाया और कानून के ऐसे स्पष्ट उल्लंघन के बावजूद आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए औपचारिक रूप से कोई कदम नहीं उठाया। यदि कोई आम नागरिक ऐसा करता, तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाता।

लेकिन ममता बनर्जी के मामले में ऐसा कुछ भी प्रभावी या प्रासंगिक कदम नहीं उठाया गया। उनके खिलाफ कोई गंभीर आरोप तय नहीं किए गए। गंभीर अपराधों की जांच में बाधा डालने के बावजूद उन्हें पूर्ण प्रतिरक्षा मिलती हुई प्रतीत होती है। इसके बजाय पूरे विवाद को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। राज्य भाजपा इस बात की निंदा कर रही है कि एक निजी कंसल्टेंसी फर्म किसी राजनीतिक दल के लिए काम कर रही है और कुछ नौकरशाहों को एक निजी फर्म को रिपोर्ट करना पड़ता है।

कई करोड़ रुपये के गंभीर कोयला घोटाले सबूतों की चोरी और उन्हें नष्ट करने का एकमात्र ठोस आरोप भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक आकस्मिक प्रेस वार्ता में लगाया था। इसके बाद उस आरोप को आगे नहीं बढ़ाया गया और न ही उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचाया गया।

इस पूरे घटनाक्रम में गंभीर अनियमितताओं की आशंका के पर्याप्त कारण थे, क्योंकि मुख्यमंत्री ने ईडी की तलाशी और जब्ती कार्रवाई के खिलाफ काफी जल्दबाज़ी और दुस्साहसी प्रतिरोध दिखाया। वह एक हरी फाइल को इस तरह पकड़े रहीं मानो वह उनके लिए जीवन-मरण का प्रश्न हो।

यह सवाल भी उठाए जा रहे हैं कि क्या भाजपा और ममता बनर्जी के बीच किसी तरह के गुप्त समझौते हैं, जबकि बाहर से जांच और छापों का दिखावा किया जा रहा है। राज्य में अवैध कोयला खनन का पैमाना और इसमें तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता तो सर्वविदित है।

# ट्रंप ने ईरान में सैन्य हस्तक्षेप के संकेत दिए

## परन्तु ट्रंप ने यह भी कहा कि वह ज़मीन पर सैनिक नहीं उतारेंगे

वॉशिंगटन, 10 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा।

- ट्रंप ने कहा कि ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही जनता पर हमला किया गया तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा।

ईरान की स्थिति पर संवाददाताओं से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। ट्रम्प और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अशांति के बारे में ट्रम्प प्रशासन की टिप्पणियों को हस्तक्षेपवादी और भ्रामक बताते हुए उनकी निंदा की थी। ईरान का कहना है कि ये बयान ईरानी लोगों के प्रति अमेरिका की निरंतर शत्रुता को दर्शाते हैं।

# ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को चिट्ठी लिखी

कोलकाता, 10 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आम नागरिकों के साथ किए जा रहे निरंतर उत्पीड़न पर हैरानी और पीड़ा व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में आरोप लगाया है कि इस पुनरीक्षण अभ्यास के कारण 77 मौतें, आत्महत्या के चार प्रयास और कम से कम 17 लोगों के बीमार होने व अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आई है। उन्होंने कहा, ''ये घटनाएं डर, डराने-धमकाने और अत्यधिक कार्यभार के कारण हुई हैं, जो आयोग द्वारा किए गए एक अनियोजित अभ्यास का परिणाम है।'' बनर्जी ने नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन, प्रसिद्ध कवि जॉय गोस्वामी, लोकप्रिय फिल्म अभिनेता और सांसद दीपक अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी और भारत सेवाश्रम संघ के महाराज, जिन्हें नागरिकता के सत्यापन के लिए तलब किया गया है, के मामलों का जिक्र करते हुए सवाल किया कि क्या यह आयोग की ओर से सरासर ढिठाई नहीं है। उन्होंने कहा कि कई आम नागरिक भी इसी तरह के उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं।

- बनर्जी ने नोबल पुरुस्कार विजेता अमर्त्य सेन, क्रिकेटर मोहम्मद शमी, फिल्म एक्टर व सांसद दीपक अधिकारी जैसी कई हस्तियों का मुद्दा उठाया, जिन्हें चुनाव आयोग के सामने अपनी नागरिकता प्रमाणित करनी होगी।
- मुख्यमंत्री ने टाइप की हुई चिट्ठी के साथ एक हस्तलिखित नोट भी भेजा है जिसमें उन्होंने लिखा है कि ''मुझे'' पता है आप ना तो जवाब देंगे ना ही स्पष्टीकरण देंगे पर विवरण देना मेरा कर्तव्य है।

# ओडिशा में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जा रहा है कि चार यात्रियों और दो पायलटों को ले जा रहे सिंगल-इंजन वाले इस विमान में करीब चार से पांच किलोमीटर उड़ने के बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को विमान की क्रैश-लैंडिंग करानी पड़ी।

# प्रधानमंत्री ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

10:15 बजे मंदिर में पूजा करेंगे और सुबह 11 बजे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।बयान में कहा गया है कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत के उन अनगिनत नागरिकों को याद करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

# एसआई भर्ती ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मामले से जुड़े अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने बताया कि पेपर लीक से जुड़ी एसआई भर्ती-2021 में शामिल कुछ अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एकलपीठ की ओर से इस भर्ती को रद्द करने के आधार पर साल 2025 की एसआई भर्ती में आयु सीमा में छूट देने की गुहार की थी। एकलपीठ ने तीस अक्टूबर, 2025 को इन अभ्यर्थियों को भर्ती में तीन साल की छूट देने को कहा। वहीं राज्य सरकार की अपील पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश जारी कर गत 13 नवंबर को एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई थी।

# प्र.मंत्री ने राज्यों के मुख्य सचिवों ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जी.एस.टी. आज की कामकाज से जुड़ी कई कमियों से जूझ रहा है। रिफंड मिलने में देरी, नियमों का जटिल पालन और केन्द्र व राज्यों के बीच बार-बार होने वाले मतभेद। खासकर छोटे कारोबारियों के लिए ये समस्याएं नकदी की कमी और प्रशासनिक थकान का कारण बनती हैं। इन अड़चनों को दूर किए बिना और ज्यादा बदलाव करने से कर प्रणाली पर भरोसा लौटने के बजाय अविश्वास और बढ़ सकता है।

श्रम सुधार भी ऐसा ही विरोधाभास दिखाते हैं। दर्जनों कानूनों को चार श्रम संहिताओं में बदलना प्रशासनिक रूप से तर्कसंगत और बदलाव लाने वाला कदम है। लेकिन राज्यों द्वारा नियम अधिसूचित नहीं करने से इसका अमल रुका हुआ है, जो राजनीतिक और सामाजिक संवेदनशीलताओं को दर्शाता है। तेज़ सुधार निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन श्रम बाज़ार में वैधता और स्वीकार्यता भी ज़रुरी है। भरोसेमंद सुरक्षा, परामर्श और अमल की क्षमता के बिना ये सुधार एकतरफा माने जा सकते हैं, भले ही उनका मकसद समावेशी विकास (इन्क्लूसिव ग्रोथ) और रोजगार सृजन हो।

सरकार कुछ हद तक सही संकेत देती है कि यह सुधार चक्र संकट से प्रेरित होने के बजाय आकांक्षा से प्रेरित है और इसमें कुछ सच्चाई भी है। भारत की जनसंख्या संरचना, बढ़ता घरेलू बाज़ार और डिजिटल ढांचा मजबूत आधार देते हैं। लेकिन केवल आकांक्षा से संस्थागत तैयारी की कमी पूरी नहीं हो सकती। ज़िला प्रशासन, नगर निकाय और राज्य नियामक, जो सुधारों को ज़मीन पर लागू करते हैं, अक्सर स्टाफ, विशेष कौशल और डिजिटल क्षमता की कमी से जूझते हैं। प्रशासनिक क्षमता में निवेश किए बिना तेज़ और गुणवत्तापूर्ण नतीजों की उम्मीद सुधारों के असर को कमज़ोर कर सकती है और निराशा बढ़ा सकती है।

निजी क्षेत्र के लिए परमाणु ऊर्जा खोलने जैसे बड़े कदम सरकार की मंशा की गंभीरता दिखाते हैं। लेकिन निजी पूंजी बहुत सख्त मानकों पर काम करती है। उसे साफ नियम, भरोसमंद विवाद, समाधान व्यवस्था और स्थिर नीतिगत माहौल चाहिए। घोषणाओं के साथ विस्तृत नियमावली और संस्थागत भरोसा भी होना चाहिए वरना इनके बदले निवेश आने की जगह सर्तकता और झिझक ही देखने को मिलेगी।

व्यापार समझौते भी बिखरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर व्यावहारिक सोच दिखाते हैं। लेकिन व्यापार उदारीकरण के साथ समायोजन की लागत आती है। लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास और सस्ते ऋण में समानांतर निवेश के बिना, खासकर छोटे भारतीय उद्योग खुलते बाज़ार में टिक नहीं पाएंगे।

आखिरकार, इस सुधार चक्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि इसके फायदे आम लोगों तक पहुंचते हैं या नहीं। अगर विकास के साफ तौर पर रोजगार, आय में बढ़ोतरी और क्षेत्रीय संतुलन नहीं दिखता, तो सुधारों के लिए जरुरी सामाजिक और राजनीतिक सहमति कमज़ोर पड़ सकती है।

रफ्तार ज़रुरी है। लेकिन अगर 2025 को एक ऐतिहासिक साल के रुप में याद किया जाना है, तो यह इसलिए होगा क्योंकि सुधारों को समझदारी से लागू किया गया, संस्थानों को मजबूत किया गया और जनता का विश्वास हासिल किया गया, केवल इसलिए नहीं कि वे तेज़ चले।

# भारत-अमेरिका व्यापारिक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने निर्यात जगत की बढ़ती चिंता को व्यक्त करते हुए कहा, दोनों पक्षों को बातचीत की मेज़ पर बैठकर लंबित मुद्दों का समाधान करना चाहिए, ताकि एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौता किया जा सके। निर्यातकों के अनुसार, मौजूदा शुल्क मुनाफे के मार्जिन को कम कर रहे हैं, अनुबंधों में बाधा डाल रहे हैं और भारतीय कंपनियों को या तो नुकसान झेलने या फिर वियतनाम, मैक्सिको और अमेरिका के अन्य वरीयताप्राप्त व्यापार साझेदार देशों के प्रतिस्पर्धियों के सामने बाज़ार में हिस्सेदारी छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अमेरिका को जाता है। इसमें वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग वस्तुएँ, ऑटो कंपोनेंट्स और रसायन जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। इनमें से कई क्षेत्रों के मुनाफे का मार्जिन बहुत कम होता है, और वे शुल्क वृद्धि के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। निर्यातकों का कहना है कि 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय सामान बाज़ार से बाहर हो जाएगा।

उद्योग को इससे भी अधिक चिंता इस बात की है कि यदि बातचीत ठप्प बनी रही तो शुल्क में और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे किसी भी अतिरिक्त टैरिफ से उस समय निर्यात बुरी तरह प्रभावित होगा, जब वैश्विक मांग पहले से ही सुस्त है और भू-राजनीतिक तनाव आपूर्ति शृंखलाओं को खंडित कर रहे हैं। छोटे निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई के लिए, लंबे समय तक बनी अनिश्चितता के कारण ऑर्डर रद्द हो सकते हैं, छँटनी और कार्यशील पूंजी पर दबाव पड़ सकता है।

हालाँकि, इस समझौते को अंतिम रूप देना आसान नहीं होगा कई विवादास्पद मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। अमेरिका कृषि उत्पादों, डेयरी, चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल व्यापार के बाजार में घुसना यह चाहता है, साथ ही बौद्धिक संपदा संरक्षण और डेटा लोकलाइज़ेशन मानदंडों को लेकर भी उसकी चिंताएँ हैं। वॉशिंगटन लगातार औद्योगिक वस्तुओं पर कम शुल्क और भारत की नियामक व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता की माँग करता रहा है।

वहीं भारत दंडात्मक शुल्क से राहत, हाल के वर्षों में खोई हुई वरीयताप्राप्त बाज़ार पहुँच की बहाली और वीज़ा व्यवस्थाओं के तहत कुशल पेशेवरों की अधिक आवाजाही चाहता है। नई दिल्ली उन संवेदनशील क्षेत्रों-विशेषकर कृषि और डेयरी-की रक्षा को लेकर भी सतर्क है, जहाँ राजनीतिक और सामाजिक कारणों से रियायत की गुंजाइश बेहद सीमित है। इन प्राथमिकताओं को संतुलित करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना सावधानीपूर्ण क्रमबद्धता और राजनीतिक इच्छाशक्ति की माँग करेगा।

निर्यातकों का तर्क है कि भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में यह इस समझौता पहले से भी अधिक जरूरी हो गया है। जैसे-जैसे वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ चीन से दूर हो रही हैं, भारत के पास अमेरिका के लिए एक भरोसेमंद विनिर्माण और सोर्सिंग केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने का अवसर बढ़ गया है। लेकिन एक स्थिर और पूर्वानुमान लगाए जा सकने योग्य व्यापार ढाँचे के बिना यह अवसर हाथ से निकल सकता है। जिन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के पास अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते या वरीयताप्राप्त पहुँच है, वे पहले से ही इस बदलाव का लाभ उठा रही हैं।

देरी से प्रतिष्ठा को भी नुकसान होता है। व्यवसाय वर्षों पहले निवेश और आपूर्ति अनुबंधों की योजना बनाते हैं। शुल्क और बाज़ार पहुँच को लेकर लंबी अनिश्चितता भरोसे को कमजोर करती है, क्षमता विस्तार को हतोत्साहित करती है और दीर्घकालिक व्यापार साझेदार के रूप में भारत की छवि को नुकसान पहुँचाती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा घटकों और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में-जहाँ भारत निर्यात बढ़ाने की उम्मीद करता है-नीतिगत स्पष्टता लागत प्रतिस्पर्धा जितनी ही महत्वपूर्ण है।

उद्योग संगठनों का मानना है कि चरणबद्ध या सीमित व्यापार समझौता एक व्यावहारिक रास्ता हो सकता है। शुल्क युक्तिकरण, मानकों की पारस्परिक मान्यता और विवाद निपटाने पर केन्द्रित 'प्रारंभिक सौदे' सौदे निर्यातकों को त्वरित राहत दे सकते हैं और बाद में एक व्यापक समझौते के लिए भरोसा भी बना सकते हैं।

आखिरकार, निर्यातक ज़ोर देते हैं कि निष्क्रियता से होने वाले नुकसान की लागत लगातार बढ़ रही है। मुनाफे के मार्जिन घट रहे हैं और प्रतिस्पर्धा तीव्र हो रही है-हर तिमाही की देरी का मतलब है ऑर्डर ओर जमीन खो देना। एक निर्यातक ने कहा, व्यापार समझौते अब प्रतीकात्मक नहीं रहे; वे हमारे अस्तित्व का सवाल बन चुके हैं।

भारत और अमेरिका के लिए, एक व्यापार समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को स्थिर करेगा, बल्कि वैश्विक बाज़ारों को भी एक सशक्त संकेत देगा। ज़मीनी स्तर पर निर्यातकों के लिए, यह टिके रहने और पिछड़ जाने के बीच का अंतर हो सकता है।

# कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू किया

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। कांग्रेस ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने के मोदी सरकार के कदम को रोजगार की इस महत्वपूर्ण योजना पर बुलडोजर चलाना करार दिया और कहा कि पार्टी ने इसके खिलाफ पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम शुरु कर दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि ''कांग्रेस ने आज देशभर के प्रत्येक जिला इकाई के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत कर दी। कांग्रेस इस संघर्ष को निर्णायक परिणाम तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार द्वारा जब तक मनरेगा पर बुलडोजर चलाकर छीने गए काम के अधिकार, आजीविका और जवाबदेही को पूरी तरह बहाल नहीं करा लिया जाता कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि हाल में पारित वीबी-जी राम जी एक्ट के रूप में आये नये कानून से मनरेगा की मूल भावना खत्म हो गई है। अब काम की गारंटी कानूनी अधिकार नहीं रह गई बल्कि केंद्र सरकार की मर्जी पर निर्भर हो गई है। मनरेगा खत्म करने से ग्राम पंचायतों की ताकत बहुत कमजोर हुई है और मजदूरी की गारंटी तथा समय पर भुगतान पर सवाल उठ रहे हैं।

# महाराष्ट्र में नए समीकरण ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

सीट बंटवारे में भी सहयोगी दलों की वास्तविक ताकत झलकती है। शिवसेना (यूबीटी) 165 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, मनसे 52 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) इस नए गठबंधन के तहत केवल 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गठबंधन की घोषणा के लिए हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे भाइयों ने मराठी मानूस को एक सशक्त संदेश देते हुए कहा, बटेंगे तो कटेंगे, यानी बंटे तो हारेंगे, एकजुट रहे तो जीतेंगे। यह नारा उन्होंने 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के इस्तेमाल किए गए नारे से प्रेरित होकर दिया।

भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) गठबंधन ने मराठी मानूस के बीच मजबूत पकड़ बना ली है। एस्केंडिया स्ट्रैटेज़ीस के एक सर्वे के मुताबिक, इस समुदाय का वोट अब 44-42 प्रतिशत के अनुपात में बंट चुका है। वहीं, कांग्रेस के साथ गठबंधन के कारण उद्धव ठाकरे की पार्टी को जो मुस्लिम वोट मिला था, वह एमवीए से अलग होने के बाद स्वतः ठाकरे खेमे में आएगा, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है।

इसके अलावा पवार परिवार के प्रतिद्वंद्वी गुट भी धीरे-धीरे करीब आते दिख रहे हैं। एनसीपी (अजित पवार गुट) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार गुट) ने पुणे नगर निगम और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम के चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। यह संकेत है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर पारिवारिक रिश्तों को तरजीह मिल सकती है। इन घटनाक्रमों ने महाराष्ट्र में बड़े राजनीतिक फेरबदल को लेकर अटकलें और तेज कर दी हैं। काफी समय से यह चर्चा चल रही है कि वरिष्ठ पवार गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो सकता है, जहां अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति संभालेंगे और सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका दी जा सकती है।

अपने लंबे और प्रभावशाली राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में शरद पवार संभवतः अपनी बेटी सुप्रिया का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं, खासकर तब जब उन्हें अजित पवार के स्तर का जनाधार वाला नेता नहीं माना जाता। शुरुआती बातचीत में दोनों गुटों के एक ही चुनाव चिन्ह पर लड़ने की संभावना पर भी विचार हुआ था, लेकिन शरद पवार गुट के इनकार से यह स्पष्ट हो गया कि अभी पूरी सुलह नहीं हुई है।

फिर भी, यह सीमित सहयोग दोनों के हित में है, खासकर पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे पश्चिमी महाराष्ट्र के इलाकों में खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए, जो कभी एनसीपी के मजबूत गढ़ हुआ करते थे।

2017 में भाजपा ने इन दोनों नगर निगमों पर कब्जा जमाकर एनसीपी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया था। हाल के विधानसभा चुनावों में भी इन दो जिलों में भाजपा ने सबसे अधिक सीटें जीतीं, जिससे साफ है कि इस क्षेत्र में एनसीपी का पतन लगातार हो रहा है। पवार गुटों का यह गठबंधन इसी रुझान को पलटने की कोशिश है।

रणनीतिक कारण भी अहम हैं। एनसीपी के दोनों गुट संभवतः भाजपा के बिना भविष्य की राजनीति के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। यह अटकलें भी हैं कि भाजपा 2029 के चुनाव अकेले लड़ सकती है, जिससे अजित पवार गुट हाशिये पर चला जाएगा। ऐसे में चाचा के गुट से संवाद बनाए रखकर अजित पवार भविष्य की अनिश्चितताओं के खिलाफ अपनी राजनीतिक सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

इस तरह, ये नगर निकाय चुनाव न सिर्फ संगठनात्मक ताकत की परीक्षा होंगे, बल्कि राजनीतिक रणनीतियों की भी कसौटी साबित होंगे। ठाकरे परिवार के लिए यह अस्तित्व और विरासत का सवाल है, जबकि पवारों के लिए खोई हुई जमीन वापस पाने और भविष्य के विकल्प सुरक्षित करने की लड़ाई। इन चुनावों के नतीजे आने वाले वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा तय करेंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908